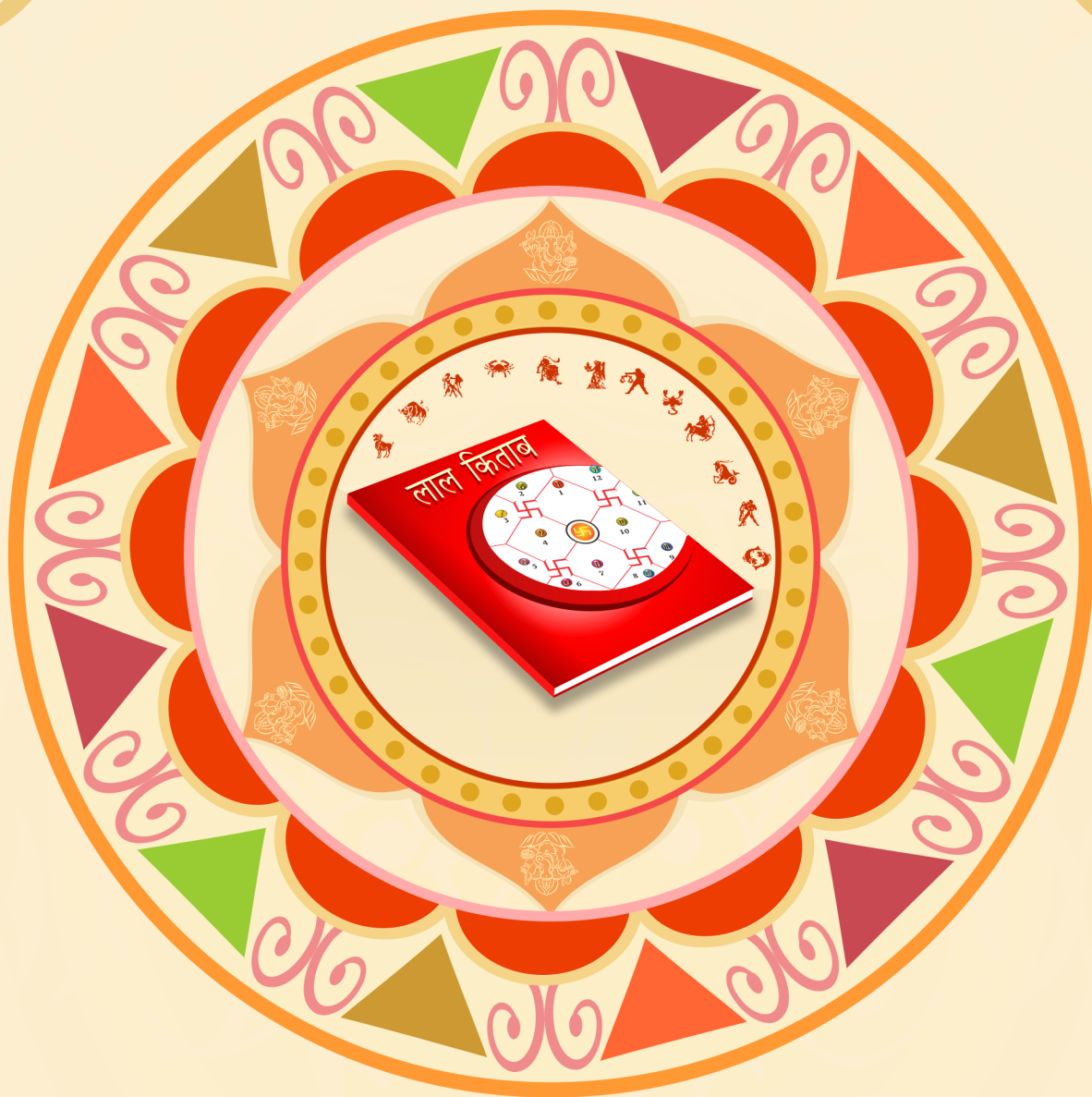
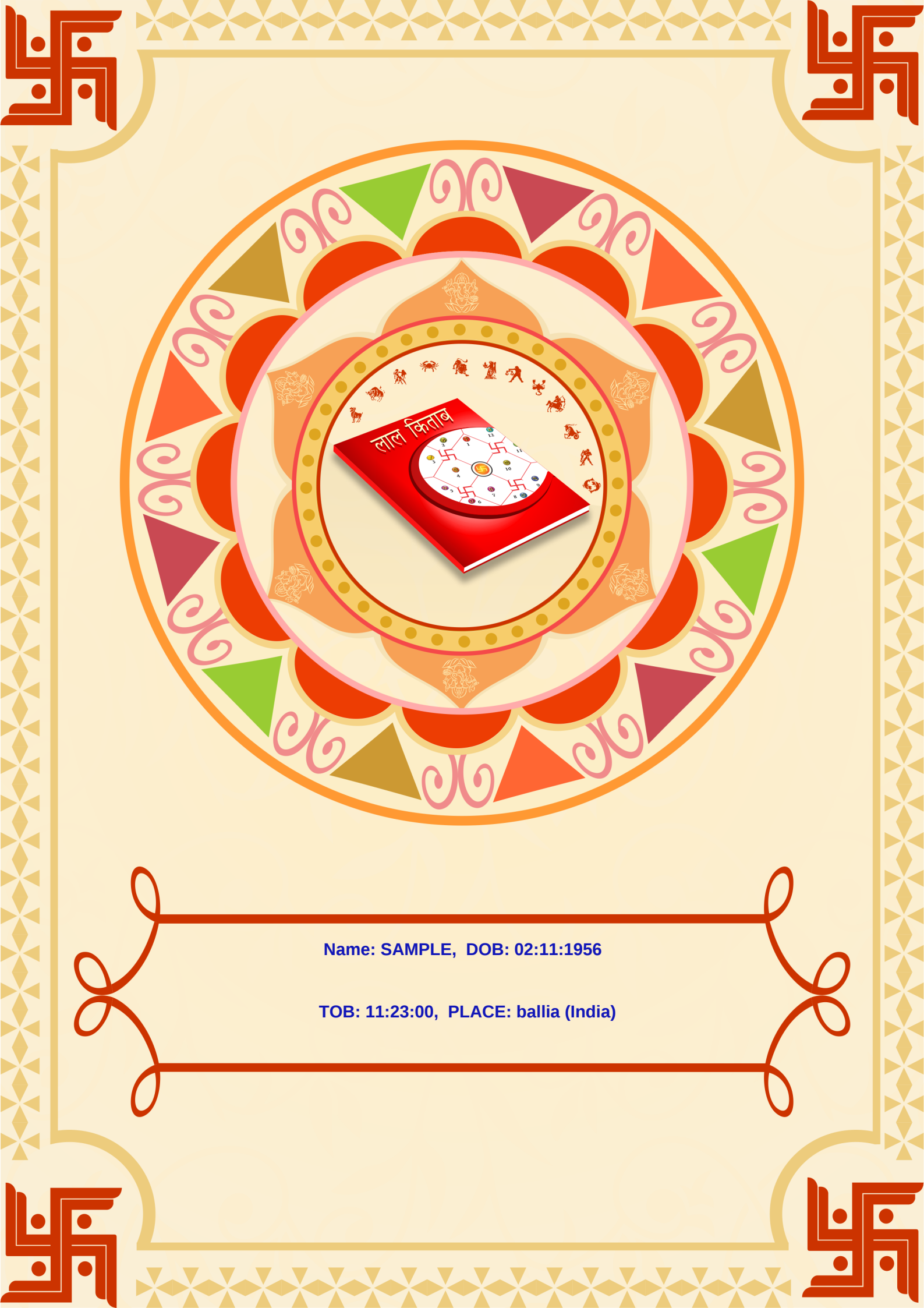




Name: SAMPLE, DOB: 02:11:1956

TOB: 11:23:00, PLACE: ballia (India)

## ज्योतिषीय विवरण

## मुख्य विवरण

|                     |                       |
|---------------------|-----------------------|
| जन्म वार            | 02:11:1956 (शुक्रवार) |
| जन्म वेळ            | 11:23:00              |
| जन्म स्थळ           | ballia                |
| अक्षांश             | 025:45:00N            |
| रेखांश:             | 084:10:00E            |
| वेळ संस्कार         | -00:00                |
| जी.एम.टी. वेळ       | 005:53:00             |
| स्थानिक वेळ         | 011:29:39 hrs         |
| सांपातिक काल        | 014:15:35 hrs         |
| स्थानिक वेळ संस्कार | 000:06:39             |
| अयनांश              | N.C.Lahiri(023:15:15) |
| सूर्योदय            | 06:05:25AM            |
| सूर्यास्त           | 05:08:50PM            |
| विक्रम संवत-        | 2013                  |
| शक संवत-            | 1878                  |
| संवत्सर             | दुर्मुख               |
| संवत्सर स्वामी      | अहिर्बुध्न्य          |

## घात चक्र

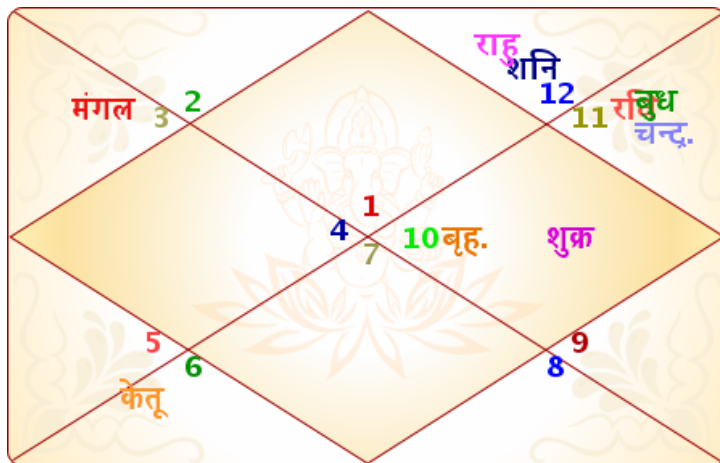
|                    |          |
|--------------------|----------|
| राशी               | धनु      |
| मास                | मघा      |
| तिथी               | 4, 9, 14 |
| वार                | गुरूवार  |
| नक्षत्र            | शततारका  |
| प्रहर              | 4        |
| लब्ध               | कन्या    |
| सूर्य सिद्धांत योग | अतिगंड   |
| करण                | तैत्ति   |

## अवकहडा चक्र

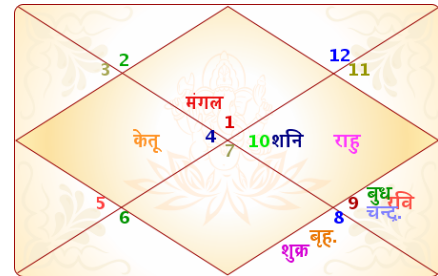
|                    |           |
|--------------------|-----------|
| लब्ध               | धनु       |
| लब्धस्वामी         | गुरू      |
| चंद्रराशी          | तुळा      |
| राशीस्वामी         | शुक्र     |
| नक्षत्र            | स्वाती    |
| नक्षत्रस्वामी      | राहु      |
| नक्षत्र चरण        | 2         |
| ऋतु                | शरद       |
| मास                | कार्तिक   |
| पक्ष               | कृष्ण     |
| तिथी               | आमावस्या  |
| तिथी प्रकार        | राहु      |
| तिथी स्वामी        | नाग       |
| करण                | स्थिर     |
| करण प्रकार         | अहि       |
| करण स्वामी         | देव       |
| गण                 | महेश(पु)  |
| योनि               | शुद्ध     |
| वर्ण               | आयुष्यमान |
| सूर्य सिद्धांत योग | कंट       |
| रज्जु              | द्विपाद   |
| वश्य               | अब्जी     |
| तत्त्व             | वायस      |
| तत्त्वस्वामी       | मंगळ      |
| विहग               | अंत्य     |
| नाडी               | अंत्य     |
| नाडी पाद           | रोहिणी    |
| वेध                | Ray       |
| नामाक्षर           | सुवर्ण    |
| पाया               |           |

## ग्रह स्थिति – लाल किताब

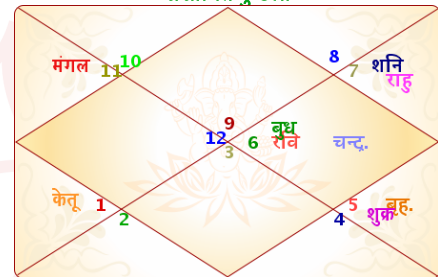
### लम्ब कुंडली



### चंद्र कुंडली ( लाल किताब )



### संशोधित कुंडली



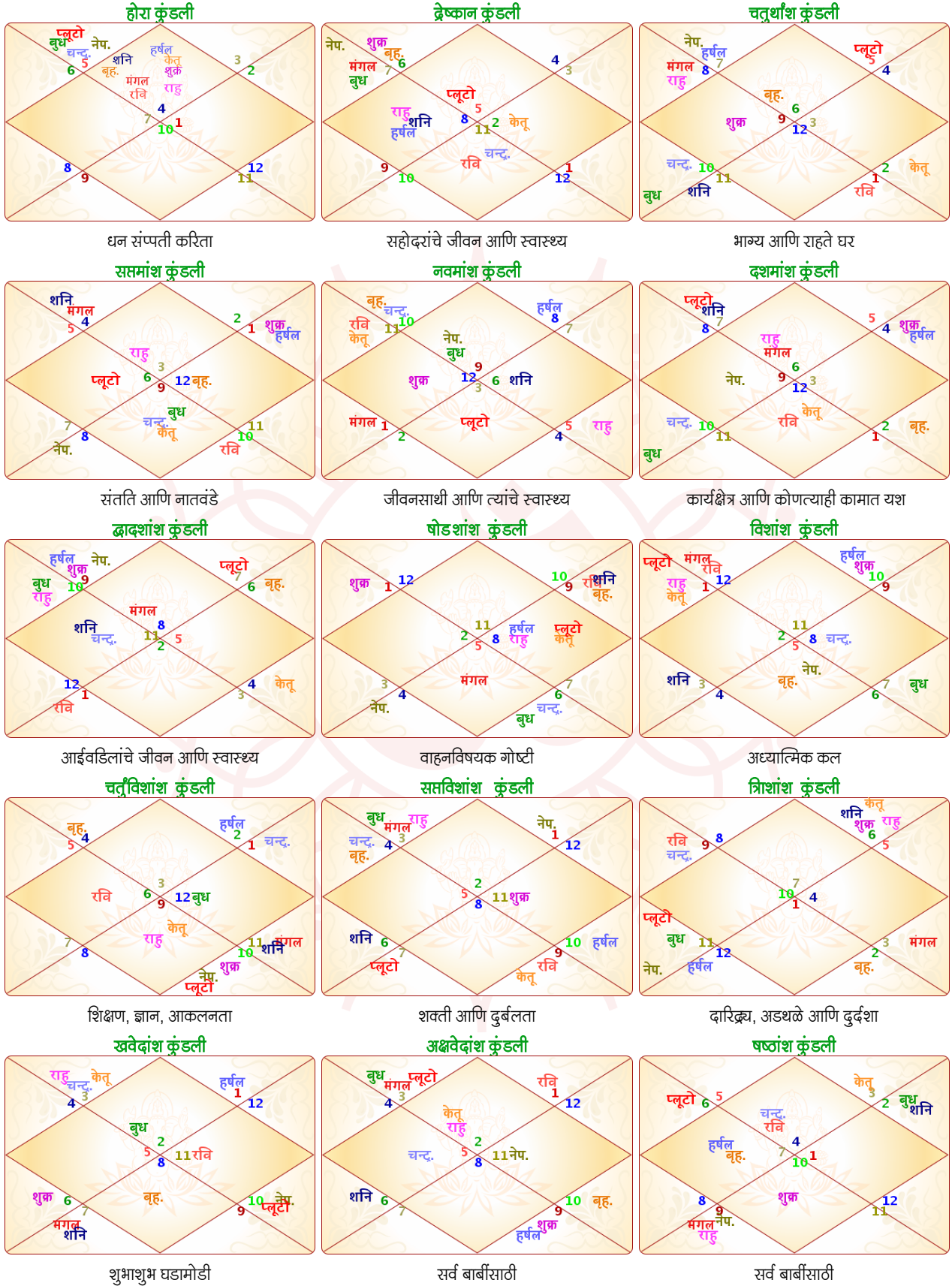
### लाल किताबनुसार ग्रह स्थिति

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 11     | 5      | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| चंद्र | 11     | 4      | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| मंगल  | 3      | 1, 8   | ग्रह  | हां      |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| बुध   | 11     | 3, 6   | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| गुरु  | 10     | 9, 12  | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| शुक्र | 10     | 2, 7   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | ---        |
| शनि   | 12     | 10, 11 | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| राहु  | 12     |        | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| केतु  | 6      |        | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |

### लाल किताबनुसार भवांची ( स्थान ) स्थिती

| भावे | भावस्थ ग्रह     | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|------|-----------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1    |                 | मंगल   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगल           |
| 2    |                 | शुक्र  | गुरु       | हां       | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3    | मंगल            | बुध    | मंगल       |           | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4    |                 | चंद्र  | चेप        | हां       | गुरु        | मंगल        | चंद्र          |
| 5    |                 | रवि    | गुरु       | हां       |             |             | रवि            |
| 6    | केतु            | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7    |                 | शुक्र  | शुक्र, बुध | हां       | शनि         |             | शुक्र          |
| 8    |                 | मंगल   | मंगल, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9    |                 | गुरु   | गुरु       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10   | गुरु, शुक्र     | शनि    | शनि        |           | मंगल        | गुरु        | शनि            |
| 11   | रवि, चंद्र, बुध | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरु           |
| 12   | शनि, राहु       | गुरु   | गुरु       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## षोडश वर्ग



## विंशोत्तरी दशा

जन्मवेळी विंशोत्तरी भोग्य दशा ( एन.सी. लहरी अयनांश :0२३:१५:१५) चंद्र १२.0 व.२.0 म.२२ दि.

| क.स. | ग्रह दशा | अवधी               | पासून      |
|------|----------|--------------------|------------|
| 1    | राहु     | 12.0 y.2.0 m.22 d. | 02:11:1956 |
| 2    | गुरू     | 16.0 y.0.0 m.0 d.  | 24:01:1969 |
| 3    | शनि      | 19.0 y.0.0 m.0 d.  | 24:01:1985 |
| 4    | बुध      | 17.0 y.0.0 m.0 d.  | 24:01:2004 |
| 5    | केतु     | 7.0 y.0.0 m.0 d.   | 24:01:2021 |
| 6    | शुक्र    | 20.0 y.0.0 m.0 d.  | 24:01:2028 |
| 7    | रवि      | 6.0 y.0.0 m.0 d.   | 24:01:2048 |
| 8    | चंद्र    | 10.0 y.0.0 m.0 d.  | 24:01:2054 |
| 9    | मंगळ     | 7.0 y.0.0 m.0 d.   | 24:01:2064 |

### राहु दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| राहु    |            |
| गुरू    |            |
| शनि     | 02:11:1956 |
| बुध     | 05:01:1959 |
| केतु    | 25:07:1961 |
| शुक्र   | 12:08:1962 |
| रवि     | 12:08:1965 |
| चंद्र   | 07:07:1966 |
| मंगळ    | 05:01:1968 |

### गुरू दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| गुरू    | 24:01:1969 |
| शनि     | 13:03:1971 |
| बुध     | 24:09:1973 |
| केतु    | 30:12:1975 |
| शुक्र   | 06:12:1976 |
| रवि     | 06:08:1979 |
| चंद्र   | 25:05:1980 |
| मंगळ    | 24:09:1981 |
| राहु    | 31:08:1982 |

### शनि दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| शनि     | 24:01:1985 |
| बुध     | 27:01:1988 |
| केतु    | 06:10:1990 |
| शुक्र   | 15:11:1991 |
| रवि     | 14:01:1995 |
| चंद्र   | 27:12:1995 |
| मंगळ    | 28:07:1997 |
| राहु    | 06:09:1998 |
| गुरू    | 13:07:2001 |

### बुध दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| बुध     | 24:01:2004 |
| केतु    | 22:06:2006 |
| शुक्र   | 19:06:2007 |
| रवि     | 19:04:2010 |
| चंद्र   | 23:02:2011 |
| मंगळ    | 25:07:2012 |
| राहु    | 22:07:2013 |
| गुरू    | 08:02:2016 |
| शनि     | 16:05:2018 |

### केतु दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| केतु    | 24:01:2021 |
| शुक्र   | 22:06:2021 |
| रवि     | 21:08:2022 |
| चंद्र   | 27:12:2022 |
| मंगळ    | 28:07:2023 |
| राहु    | 24:12:2023 |
| गुरू    | 11:01:2025 |
| शनि     | 18:12:2025 |
| बुध     | 27:01:2027 |

### शुक्र दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| शुक्र   | 24:01:2028 |
| रवि     | 25:05:2031 |
| चंद्र   | 25:05:2032 |
| मंगळ    | 24:01:2034 |
| राहु    | 25:03:2035 |
| गुरू    | 25:03:2038 |
| शनि     | 24:11:2040 |
| बुध     | 24:01:2044 |
| केतु    | 24:11:2046 |

### रवि दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| रवि     | 24:01:2048 |
| चंद्र   | 12:05:2048 |
| मंगळ    | 11:11:2048 |
| राहु    | 19:03:2049 |
| गुरू    | 11:02:2050 |
| शनि     | 30:11:2050 |
| बुध     | 12:11:2051 |
| केतु    | 18:09:2052 |
| शुक्र   | 24:01:2053 |

### चंद्र दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| चंद्र   | 24:01:2054 |
| मंगळ    | 24:11:2054 |
| राहु    | 25:06:2055 |
| गुरू    | 24:12:2056 |
| शनि     | 25:04:2058 |
| बुध     | 24:11:2059 |
| केतु    | 25:04:2061 |
| शुक्र   | 24:11:2061 |
| रवि     | 25:07:2063 |

### मंगळ दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| मंगळ    | 24:01:2064 |
| राहु    | 21:06:2064 |
| गुरू    | 10:07:2065 |
| शनि     | 16:06:2066 |
| बुध     | 25:07:2067 |
| केतु    | 22:07:2068 |
| शुक्र   | 18:12:2068 |
| रवि     | 17:02:2070 |
| चंद्र   | 25:06:2070 |

## राहु ग्रह दशा

( Start Date: 02:11:1956, End Date: 23:01:1969 )

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून |
|-----------|-------|
| राहु      | ....  |
| गुरू      | ....  |
| शनि       | ....  |
| बुध       | ....  |
| केतु      | ....  |
| शुक्र     | ....  |
| रवि       | ....  |
| चंद्र     | ....  |
| मंगळ      | ....  |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून |
|-----------|-------|
| गुरू      | ....  |
| शनि       | ....  |
| बुध       | ....  |
| केतु      | ....  |
| शुक्र     | ....  |
| रवि       | ....  |
| चंद्र     | ....  |
| मंगळ      | ....  |
| राहु      | ....  |

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | ....       |
| बुध       | 02:11:1956 |
| केतु      | 07:01:1957 |
| शुक्र     | 09:03:1957 |
| रवि       | 29:08:1957 |
| चंद्र     | 20:10:1957 |
| मंगळ      | 15:01:1958 |
| राहु      | 17:03:1958 |
| गुरू      | 20:08:1958 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 05:01:1959 |
| केतु      | 17:05:1959 |
| शुक्र     | 10:07:1959 |
| रवि       | 13:12:1959 |
| चंद्र     | 28:01:1960 |
| मंगळ      | 15:04:1960 |
| राहु      | 08:06:1960 |
| गुरू      | 26:10:1960 |
| शनि       | 28:02:1961 |

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 25:07:1961 |
| शुक्र     | 16:08:1961 |
| रवि       | 19:10:1961 |
| चंद्र     | 07:11:1961 |
| मंगळ      | 09:12:1961 |
| राहु      | 01:01:1962 |
| गुरू      | 27:02:1962 |
| शनि       | 19:04:1962 |
| बुध       | 19:06:1962 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 12:08:1962 |
| रवि       | 11:02:1963 |
| चंद्र     | 07:04:1963 |
| मंगळ      | 07:07:1963 |
| राहु      | 09:09:1963 |
| गुरू      | 20:02:1964 |
| शनि       | 15:07:1964 |
| बुध       | 05:01:1965 |
| केतु      | 09:06:1965 |

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 12:08:1965 |
| चंद्र     | 29:08:1965 |
| मंगळ      | 25:09:1965 |
| राहु      | 14:10:1965 |
| गुरू      | 03:12:1965 |
| शनि       | 15:01:1966 |
| बुध       | 08:03:1966 |
| केतु      | 24:04:1966 |
| शुक्र     | 13:05:1966 |

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 07:07:1966 |
| मंगळ      | 21:08:1966 |
| राहु      | 22:09:1966 |
| गुरू      | 14:12:1966 |
| शनि       | 25:02:1967 |
| बुध       | 22:05:1967 |
| केतु      | 08:08:1967 |
| शुक्र     | 09:09:1967 |
| रवि       | 09:12:1967 |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 05:01:1968 |
| राहु      | 28:01:1968 |
| गुरू      | 25:03:1968 |
| शनि       | 16:05:1968 |
| बुध       | 15:07:1968 |
| केतु      | 08:09:1968 |
| शुक्र     | 30:09:1968 |
| रवि       | 03:12:1968 |
| चंद्र     | 23:12:1968 |

**गुरु ग्रह दशा**

( Start Date: 24:01:1969, End Date: 23:01:1985 )

**गुरु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरु      | 24:01:1969 |
| शनि       | 07:05:1969 |
| बुध       | 08:09:1969 |
| केतु      | 27:12:1969 |
| शुक्र     | 10:02:1970 |
| रवि       | 20:06:1970 |
| चंद्र     | 29:07:1970 |
| मंगळ      | 02:10:1970 |
| राहु      | 16:11:1970 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 13:03:1971 |
| बुध       | 07:08:1971 |
| केतु      | 16:12:1971 |
| शुक्र     | 08:02:1972 |
| रवि       | 11:07:1972 |
| चंद्र     | 27:08:1972 |
| मंगळ      | 12:11:1972 |
| राहु      | 05:01:1973 |
| गुरु      | 24:05:1973 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 24:09:1973 |
| केतु      | 19:01:1974 |
| शुक्र     | 08:03:1974 |
| रवि       | 24:07:1974 |
| चंद्र     | 04:09:1974 |
| मंगळ      | 12:11:1974 |
| राहु      | 30:12:1974 |
| गुरु      | 03:05:1975 |
| शनि       | 21:08:1975 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 30:12:1975 |
| शुक्र     | 19:01:1976 |
| रवि       | 16:03:1976 |
| चंद्र     | 02:04:1976 |
| मंगळ      | 01:05:1976 |
| राहु      | 21:05:1976 |
| गुरु      | 11:07:1976 |
| शनि       | 25:08:1976 |
| बुध       | 18:10:1976 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 06:12:1976 |
| रवि       | 17:05:1977 |
| चंद्र     | 05:07:1977 |
| मंगळ      | 24:09:1977 |
| राहु      | 20:11:1977 |
| गुरु      | 15:04:1978 |
| शनि       | 22:08:1978 |
| बुध       | 24:01:1979 |
| केतु      | 10:06:1979 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 06:08:1979 |
| चंद्र     | 21:08:1979 |
| मंगळ      | 14:09:1979 |
| राहु      | 01:10:1979 |
| गुरु      | 14:11:1979 |
| शनि       | 23:12:1979 |
| बुध       | 07:02:1980 |
| केतु      | 20:03:1980 |
| शुक्र     | 06:04:1980 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 25:05:1980 |
| मंगळ      | 04:07:1980 |
| राहु      | 02:08:1980 |
| गुरु      | 14:10:1980 |
| शनि       | 18:12:1980 |
| बुध       | 05:03:1981 |
| केतु      | 13:05:1981 |
| शुक्र     | 10:06:1981 |
| रवि       | 31:08:1981 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 24:09:1981 |
| राहु      | 14:10:1981 |
| गुरु      | 04:12:1981 |
| शनि       | 18:01:1982 |
| बुध       | 13:03:1982 |
| केतु      | 30:04:1982 |
| शुक्र     | 20:05:1982 |
| रवि       | 16:07:1982 |
| चंद्र     | 02:08:1982 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 31:08:1982 |
| गुरु      | 09:01:1983 |
| शनि       | 06:05:1983 |
| बुध       | 21:09:1983 |
| केतु      | 24:01:1984 |
| शुक्र     | 15:03:1984 |
| रवि       | 08:08:1984 |
| चंद्र     | 21:09:1984 |
| मंगळ      | 03:12:1984 |

## शनि ग्रह दशा

( Start Date: 24:01:1985, End Date: 23:01:2004 )

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 24:01:1985 |
| बुध       | 16:07:1985 |
| केतु      | 19:12:1985 |
| शुक्र     | 21:02:1986 |
| रवि       | 23:08:1986 |
| चंद्र     | 17:10:1986 |
| मंगळ      | 16:01:1987 |
| राहु      | 21:03:1987 |
| गुरू      | 02:09:1987 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 27:01:1988 |
| केतु      | 14:06:1988 |
| शुक्र     | 11:08:1988 |
| रवि       | 22:01:1989 |
| चंद्र     | 12:03:1989 |
| मंगळ      | 02:06:1989 |
| राहु      | 29:07:1989 |
| गुरू      | 24:12:1989 |
| शनि       | 04:05:1990 |

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 06:10:1990 |
| शुक्र     | 30:10:1990 |
| रवि       | 05:01:1991 |
| चंद्र     | 25:01:1991 |
| मंगळ      | 28:02:1991 |
| राहु      | 24:03:1991 |
| गुरू      | 23:05:1991 |
| शनि       | 16:07:1991 |
| बुध       | 18:09:1991 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 15:11:1991 |
| रवि       | 26:05:1992 |
| चंद्र     | 23:07:1992 |
| मंगळ      | 27:10:1992 |
| राहु      | 03:01:1993 |
| गुरू      | 25:06:1993 |
| शनि       | 26:11:1993 |
| बुध       | 28:05:1994 |
| केतु      | 08:11:1994 |

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 14:01:1995 |
| चंद्र     | 01:02:1995 |
| मंगळ      | 02:03:1995 |
| राहु      | 22:03:1995 |
| गुरू      | 13:05:1995 |
| शनि       | 28:06:1995 |
| बुध       | 22:08:1995 |
| केतु      | 10:10:1995 |
| शुक्र     | 30:10:1995 |

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 27:12:1995 |
| मंगळ      | 13:02:1996 |
| राहु      | 18:03:1996 |
| गुरू      | 13:06:1996 |
| शनि       | 29:08:1996 |
| बुध       | 29:11:1996 |
| केतु      | 19:02:1997 |
| शुक्र     | 25:03:1997 |
| रवि       | 29:06:1997 |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 28:07:1997 |
| राहु      | 21:08:1997 |
| गुरू      | 20:10:1997 |
| शनि       | 13:12:1997 |
| बुध       | 15:02:1998 |
| केतु      | 14:04:1998 |
| शुक्र     | 07:05:1998 |
| रवि       | 14:07:1998 |
| चंद्र     | 03:08:1998 |

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 06:09:1998 |
| गुरू      | 09:02:1999 |
| शनि       | 27:06:1999 |
| बुध       | 09:12:1999 |
| केतु      | 05:05:2000 |
| शुक्र     | 05:07:2000 |
| रवि       | 26:12:2000 |
| चंद्र     | 16:02:2001 |
| मंगळ      | 13:05:2001 |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 13:07:2001 |
| शनि       | 13:11:2001 |
| बुध       | 09:04:2002 |
| केतु      | 18:08:2002 |
| शुक्र     | 11:10:2002 |
| रवि       | 14:03:2003 |
| चंद्र     | 29:04:2003 |
| मंगळ      | 15:07:2003 |
| राहु      | 07:09:2003 |

**बुध ग्रह दशा**

( Start Date: 24:01:2004, End Date: 23:01:2021 )

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 24:01:2004 |
| केतु      | 28:05:2004 |
| शुक्र     | 18:07:2004 |
| रवि       | 12:12:2004 |
| चंद्र     | 25:01:2005 |
| मंगळ      | 08:04:2005 |
| राहु      | 29:05:2005 |
| गुरू      | 08:10:2005 |
| शनि       | 02:02:2006 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 22:06:2006 |
| शुक्र     | 13:07:2006 |
| रवि       | 11:09:2006 |
| चंद्र     | 29:09:2006 |
| मंगळ      | 29:10:2006 |
| राहु      | 19:11:2006 |
| गुरू      | 13:01:2007 |
| शनि       | 02:03:2007 |
| बुध       | 28:04:2007 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 19:06:2007 |
| रवि       | 08:12:2007 |
| चंद्र     | 29:01:2008 |
| मंगळ      | 24:04:2008 |
| राहु      | 24:06:2008 |
| गुरू      | 26:11:2008 |
| शनि       | 13:04:2009 |
| बुध       | 24:09:2009 |
| केतु      | 17:02:2010 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 19:04:2010 |
| चंद्र     | 04:05:2010 |
| मंगळ      | 30:05:2010 |
| राहु      | 17:06:2010 |
| गुरू      | 03:08:2010 |
| शनि       | 13:09:2010 |
| बुध       | 01:11:2010 |
| केतु      | 15:12:2010 |
| शुक्र     | 02:01:2011 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 23:02:2011 |
| मंगळ      | 07:04:2011 |
| राहु      | 07:05:2011 |
| गुरू      | 24:07:2011 |
| शनि       | 01:10:2011 |
| बुध       | 22:12:2011 |
| केतु      | 04:03:2012 |
| शुक्र     | 03:04:2012 |
| रवि       | 29:06:2012 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 25:07:2012 |
| राहु      | 15:08:2012 |
| गुरू      | 08:10:2012 |
| शनि       | 26:11:2012 |
| बुध       | 22:01:2013 |
| केतु      | 14:03:2013 |
| शुक्र     | 04:04:2013 |
| रवि       | 04:06:2013 |
| चंद्र     | 22:06:2013 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 22:07:2013 |
| गुरू      | 09:12:2013 |
| शनि       | 12:04:2014 |
| बुध       | 06:09:2014 |
| केतु      | 16:01:2015 |
| शुक्र     | 11:03:2015 |
| रवि       | 13:08:2015 |
| चंद्र     | 29:09:2015 |
| मंगळ      | 15:12:2015 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 08:02:2016 |
| शनि       | 28:05:2016 |
| बुध       | 07:10:2016 |
| केतु      | 01:02:2017 |
| शुक्र     | 22:03:2017 |
| रवि       | 06:08:2017 |
| चंद्र     | 17:09:2017 |
| मंगळ      | 25:11:2017 |
| राहु      | 12:01:2018 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 16:05:2018 |
| बुध       | 19:10:2018 |
| केतु      | 07:03:2019 |
| शुक्र     | 03:05:2019 |
| रवि       | 14:10:2019 |
| चंद्र     | 02:12:2019 |
| मंगळ      | 22:02:2020 |
| राहु      | 20:04:2020 |
| गुरू      | 14:09:2020 |

## केतु ग्रह दशा

( Start Date: 24:01:2021, End Date: 23:01:2028 )

## केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 24:01:2021 |
| शुक्र     | 01:02:2021 |
| रवि       | 26:02:2021 |
| चंद्र     | 06:03:2021 |
| मंगळ      | 18:03:2021 |
| राहु      | 27:03:2021 |
| गुरू      | 18:04:2021 |
| शनि       | 08:05:2021 |
| बुध       | 31:05:2021 |

## शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 22:06:2021 |
| रवि       | 01:09:2021 |
| चंद्र     | 22:09:2021 |
| मंगळ      | 27:10:2021 |
| राहु      | 21:11:2021 |
| गुरू      | 24:01:2022 |
| शनि       | 22:03:2022 |
| बुध       | 28:05:2022 |
| केतु      | 28:07:2022 |

## रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 21:08:2022 |
| चंद्र     | 28:08:2022 |
| मंगळ      | 07:09:2022 |
| राहु      | 15:09:2022 |
| गुरू      | 04:10:2022 |
| शनि       | 21:10:2022 |
| बुध       | 10:11:2022 |
| केतु      | 28:11:2022 |
| शुक्र     | 06:12:2022 |

## चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 27:12:2022 |
| मंगळ      | 14:01:2023 |
| राहु      | 26:01:2023 |
| गुरू      | 27:02:2023 |
| शनि       | 28:03:2023 |
| बुध       | 30:04:2023 |
| केतु      | 31:05:2023 |
| शुक्र     | 12:06:2023 |
| रवि       | 17:07:2023 |

## मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 28:07:2023 |
| राहु      | 06:08:2023 |
| गुरू      | 28:08:2023 |
| शनि       | 17:09:2023 |
| बुध       | 11:10:2023 |
| केतु      | 01:11:2023 |
| शुक्र     | 09:11:2023 |
| रवि       | 04:12:2023 |
| चंद्र     | 12:12:2023 |

## राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 24:12:2023 |
| गुरू      | 20:02:2024 |
| शनि       | 11:04:2024 |
| बुध       | 11:06:2024 |
| केतु      | 04:08:2024 |
| शुक्र     | 27:08:2024 |
| रवि       | 30:10:2024 |
| चंद्र     | 18:11:2024 |
| मंगळ      | 20:12:2024 |

## गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 11:01:2025 |
| शनि       | 26:02:2025 |
| बुध       | 21:04:2025 |
| केतु      | 08:06:2025 |
| शुक्र     | 28:06:2025 |
| रवि       | 24:08:2025 |
| चंद्र     | 10:09:2025 |
| मंगळ      | 08:10:2025 |
| राहु      | 28:10:2025 |

## शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 18:12:2025 |
| बुध       | 20:02:2026 |
| केतु      | 18:04:2026 |
| शुक्र     | 12:05:2026 |
| रवि       | 18:07:2026 |
| चंद्र     | 08:08:2026 |
| मंगळ      | 10:09:2026 |
| राहु      | 04:10:2026 |
| गुरू      | 04:12:2026 |

## बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 27:01:2027 |
| केतु      | 19:03:2027 |
| शुक्र     | 09:04:2027 |
| रवि       | 08:06:2027 |
| चंद्र     | 26:06:2027 |
| मंगळ      | 27:07:2027 |
| राहु      | 17:08:2027 |
| गुरू      | 10:10:2027 |
| शनि       | 27:11:2027 |

**शुक्र ग्रह दशा**

( Start Date: 24:01:2028, End Date: 23:01:2048 )

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 24:01:2028 |
| रवि       | 14:08:2028 |
| चंद्र     | 14:10:2028 |
| मंगळ      | 24:01:2029 |
| राहु      | 05:04:2029 |
| गुरू      | 04:10:2029 |
| शनि       | 15:03:2030 |
| बुध       | 24:09:2030 |
| केतु      | 15:03:2031 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 25:05:2031 |
| चंद्र     | 12:06:2031 |
| मंगळ      | 13:07:2031 |
| राहु      | 03:08:2031 |
| गुरू      | 27:09:2031 |
| शनि       | 15:11:2031 |
| बुध       | 11:01:2032 |
| केतु      | 03:03:2032 |
| शुक्र     | 25:03:2032 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 25:05:2032 |
| मंगळ      | 14:07:2032 |
| राहु      | 19:08:2032 |
| गुरू      | 19:11:2032 |
| शनि       | 08:02:2033 |
| बुध       | 15:05:2033 |
| केतु      | 09:08:2033 |
| शुक्र     | 14:09:2033 |
| रवि       | 24:12:2033 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 24:01:2034 |
| राहु      | 17:02:2034 |
| गुरू      | 22:04:2034 |
| शनि       | 18:06:2034 |
| बुध       | 24:08:2034 |
| केतु      | 24:10:2034 |
| शुक्र     | 18:11:2034 |
| रवि       | 28:01:2035 |
| चंद्र     | 18:02:2035 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 25:03:2035 |
| गुरू      | 06:09:2035 |
| शनि       | 30:01:2036 |
| बुध       | 22:07:2036 |
| केतु      | 24:12:2036 |
| शुक्र     | 26:02:2037 |
| रवि       | 28:08:2037 |
| चंद्र     | 21:10:2037 |
| मंगळ      | 21:01:2038 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 25:03:2038 |
| शनि       | 02:08:2038 |
| बुध       | 03:01:2039 |
| केतु      | 21:05:2039 |
| शुक्र     | 17:07:2039 |
| रवि       | 26:12:2039 |
| चंद्र     | 13:02:2040 |
| मंगळ      | 04:05:2040 |
| राहु      | 30:06:2040 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 24:11:2040 |
| बुध       | 26:05:2041 |
| केतु      | 05:11:2041 |
| शुक्र     | 12:01:2042 |
| रवि       | 24:07:2042 |
| चंद्र     | 19:09:2042 |
| मंगळ      | 25:12:2042 |
| राहु      | 02:03:2043 |
| गुरू      | 22:08:2043 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 24:01:2044 |
| केतु      | 19:06:2044 |
| शुक्र     | 18:08:2044 |
| रवि       | 07:02:2045 |
| चंद्र     | 30:03:2045 |
| मंगळ      | 25:06:2045 |
| राहु      | 24:08:2045 |
| गुरू      | 26:01:2046 |
| शनि       | 13:06:2046 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 24:11:2046 |
| शुक्र     | 19:12:2046 |
| रवि       | 28:02:2047 |
| चंद्र     | 21:03:2047 |
| मंगळ      | 25:04:2047 |
| राहु      | 20:05:2047 |
| गुरू      | 23:07:2047 |
| शनि       | 18:09:2047 |
| बुध       | 24:11:2047 |

## रवि ब्रह्म दशा

( Start Date: 24:01:2048, End Date: 23:01:2054 )

## रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 24:01:2048 |
| चंद्र     | 29:01:2048 |
| मंगळ      | 07:02:2048 |
| राहु      | 14:02:2048 |
| गुरू      | 01:03:2048 |
| शनि       | 16:03:2048 |
| बुध       | 02:04:2048 |
| केतु      | 18:04:2048 |
| शुक्र     | 24:04:2048 |

## चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 12:05:2048 |
| मंगळ      | 28:05:2048 |
| राहु      | 07:06:2048 |
| गुरू      | 05:07:2048 |
| शनि       | 29:07:2048 |
| बुध       | 27:08:2048 |
| केतु      | 22:09:2048 |
| शुक्र     | 03:10:2048 |
| रवि       | 02:11:2048 |

## मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 11:11:2048 |
| राहु      | 19:11:2048 |
| गुरू      | 08:12:2048 |
| शनि       | 25:12:2048 |
| बुध       | 14:01:2049 |
| केतु      | 02:02:2049 |
| शुक्र     | 09:02:2049 |
| रवि       | 02:03:2049 |
| चंद्र     | 09:03:2049 |

## राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 19:03:2049 |
| गुरू      | 08:05:2049 |
| शनि       | 20:06:2049 |
| बुध       | 11:08:2049 |
| केतु      | 27:09:2049 |
| शुक्र     | 16:10:2049 |
| रवि       | 10:12:2049 |
| चंद्र     | 26:12:2049 |
| मंगळ      | 23:01:2050 |

## गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 11:02:2050 |
| शनि       | 22:03:2050 |
| बुध       | 07:05:2050 |
| केतु      | 17:06:2050 |
| शुक्र     | 04:07:2050 |
| रवि       | 22:08:2050 |
| चंद्र     | 06:09:2050 |
| मंगळ      | 30:09:2050 |
| राहु      | 17:10:2050 |

## शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 30:11:2050 |
| बुध       | 24:01:2051 |
| केतु      | 14:03:2051 |
| शुक्र     | 03:04:2051 |
| रवि       | 31:05:2051 |
| चंद्र     | 17:06:2051 |
| मंगळ      | 16:07:2051 |
| राहु      | 05:08:2051 |
| गुरू      | 26:09:2051 |

## बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 12:11:2051 |
| केतु      | 26:12:2051 |
| शुक्र     | 13:01:2052 |
| रवि       | 04:03:2052 |
| चंद्र     | 20:03:2052 |
| मंगळ      | 15:04:2052 |
| राहु      | 03:05:2052 |
| गुरू      | 19:06:2052 |
| शनि       | 30:07:2052 |

## केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 18:09:2052 |
| शुक्र     | 25:09:2052 |
| रवि       | 16:10:2052 |
| चंद्र     | 23:10:2052 |
| मंगळ      | 02:11:2052 |
| राहु      | 10:11:2052 |
| गुरू      | 29:11:2052 |
| शनि       | 16:12:2052 |
| बुध       | 05:01:2053 |

## शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 24:01:2053 |
| रवि       | 25:03:2053 |
| चंद्र     | 13:04:2053 |
| मंगळ      | 13:05:2053 |
| राहु      | 03:06:2053 |
| गुरू      | 28:07:2053 |
| शनि       | 15:09:2053 |
| बुध       | 12:11:2053 |
| केतु      | 02:01:2054 |

**चंद्र ग्रह दशा**

( Start Date: 24:01:2054, End Date: 23:01:2064 )

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 24:01:2054 |
| मंगळ      | 18:02:2054 |
| राहु      | 08:03:2054 |
| गुरू      | 22:04:2054 |
| शनि       | 02:06:2054 |
| बुध       | 20:07:2054 |
| केतु      | 01:09:2054 |
| शुक्र     | 19:09:2054 |
| रवि       | 09:11:2054 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 24:11:2054 |
| राहु      | 06:12:2054 |
| गुरू      | 07:01:2055 |
| शनि       | 04:02:2055 |
| बुध       | 10:03:2055 |
| केतु      | 09:04:2055 |
| शुक्र     | 22:04:2055 |
| रवि       | 27:05:2055 |
| चंद्र     | 07:06:2055 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 25:06:2055 |
| गुरू      | 15:09:2055 |
| शनि       | 27:11:2055 |
| बुध       | 22:02:2056 |
| केतु      | 09:05:2056 |
| शुक्र     | 10:06:2056 |
| रवि       | 10:09:2056 |
| चंद्र     | 07:10:2056 |
| मंगळ      | 22:11:2056 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 24:12:2056 |
| शनि       | 27:02:2057 |
| बुध       | 15:05:2057 |
| केतु      | 23:07:2057 |
| शुक्र     | 20:08:2057 |
| रवि       | 10:11:2057 |
| चंद्र     | 04:12:2057 |
| मंगळ      | 13:01:2058 |
| राहु      | 11:02:2058 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 25:04:2058 |
| बुध       | 25:07:2058 |
| केतु      | 15:10:2058 |
| शुक्र     | 18:11:2058 |
| रवि       | 22:02:2059 |
| चंद्र     | 23:03:2059 |
| मंगळ      | 10:05:2059 |
| राहु      | 13:06:2059 |
| गुरू      | 08:09:2059 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 24:11:2059 |
| केतु      | 05:02:2060 |
| शुक्र     | 06:03:2060 |
| रवि       | 01:06:2060 |
| चंद्र     | 27:06:2060 |
| मंगळ      | 09:08:2060 |
| राहु      | 08:09:2060 |
| गुरू      | 25:11:2060 |
| शनि       | 02:02:2061 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 25:04:2061 |
| शुक्र     | 07:05:2061 |
| रवि       | 12:06:2061 |
| चंद्र     | 22:06:2061 |
| मंगळ      | 10:07:2061 |
| राहु      | 23:07:2061 |
| गुरू      | 23:08:2061 |
| शनि       | 21:09:2061 |
| बुध       | 25:10:2061 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 24:11:2061 |
| रवि       | 05:03:2062 |
| चंद्र     | 05:04:2062 |
| मंगळ      | 25:05:2062 |
| राहु      | 30:06:2062 |
| गुरू      | 29:09:2062 |
| शनि       | 19:12:2062 |
| बुध       | 25:03:2063 |
| केतु      | 20:06:2063 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 25:07:2063 |
| चंद्र     | 03:08:2063 |
| मंगळ      | 18:08:2063 |
| राहु      | 29:08:2063 |
| गुरू      | 25:09:2063 |
| शनि       | 20:10:2063 |
| बुध       | 18:11:2063 |
| केतु      | 14:12:2063 |
| शुक्र     | 24:12:2063 |

**मंगळ ग्रह दशा**

( Start Date: 24:01:2064, End Date: 23:01:2071 )

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 24:01:2064 |
| राहु      | 01:02:2064 |
| गुरू      | 24:02:2064 |
| शनि       | 15:03:2064 |
| बुध       | 07:04:2064 |
| केतु      | 29:04:2064 |
| शुक्र     | 07:05:2064 |
| रवि       | 01:06:2064 |
| चंद्र     | 09:06:2064 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 21:06:2064 |
| गुरू      | 18:08:2064 |
| शनि       | 08:10:2064 |
| बुध       | 08:12:2064 |
| केतु      | 31:01:2065 |
| शुक्र     | 23:02:2065 |
| रवि       | 27:04:2065 |
| चंद्र     | 17:05:2065 |
| मंगळ      | 17:06:2065 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 10:07:2065 |
| शनि       | 24:08:2065 |
| बुध       | 17:10:2065 |
| केतु      | 04:12:2065 |
| शुक्र     | 24:12:2065 |
| रवि       | 19:02:2066 |
| चंद्र     | 08:03:2066 |
| मंगळ      | 06:04:2066 |
| राहु      | 25:04:2066 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 16:06:2066 |
| बुध       | 19:08:2066 |
| केतु      | 15:10:2066 |
| शुक्र     | 07:11:2066 |
| रवि       | 14:01:2067 |
| चंद्र     | 03:02:2067 |
| मंगळ      | 09:03:2067 |
| राहु      | 01:04:2067 |
| गुरू      | 01:06:2067 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 25:07:2067 |
| केतु      | 14:09:2067 |
| शुक्र     | 05:10:2067 |
| रवि       | 05:12:2067 |
| चंद्र     | 23:12:2067 |
| मंगळ      | 22:01:2068 |
| राहु      | 12:02:2068 |
| गुरू      | 07:04:2068 |
| शनि       | 25:05:2068 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 22:07:2068 |
| शुक्र     | 30:07:2068 |
| रवि       | 24:08:2068 |
| चंद्र     | 01:09:2068 |
| मंगळ      | 13:09:2068 |
| राहु      | 22:09:2068 |
| गुरू      | 14:10:2068 |
| शनि       | 03:11:2068 |
| बुध       | 27:11:2068 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 18:12:2068 |
| रवि       | 27:02:2069 |
| चंद्र     | 20:03:2069 |
| मंगळ      | 25:04:2069 |
| राहु      | 20:05:2069 |
| गुरू      | 23:07:2069 |
| शनि       | 17:09:2069 |
| बुध       | 24:11:2069 |
| केतु      | 23:01:2070 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 17:02:2070 |
| चंद्र     | 23:02:2070 |
| मंगळ      | 06:03:2070 |
| राहु      | 13:03:2070 |
| गुरू      | 02:04:2070 |
| शनि       | 19:04:2070 |
| बुध       | 09:05:2070 |
| केतु      | 27:05:2070 |
| शुक्र     | 03:06:2070 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 25:06:2070 |
| मंगळ      | 12:07:2070 |
| राहु      | 25:07:2070 |
| गुरू      | 26:08:2070 |
| शनि       | 23:09:2070 |
| बुध       | 27:10:2070 |
| केतु      | 26:11:2070 |
| शुक्र     | 08:12:2070 |
| रवि       | 13:01:2071 |

## आवश्यक भविष्यवाणी (लाल किताब)

### अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा)

लाल किताब नुसार कुंडलीत दशम स्थानी एकमेकांचे शषू असलेले दोन ग्रह स्थित असतील तर अशा कुंडलीला अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) असे म्हणतात. दशम भाव म्हणजे जातकाचे कर्मस्थान. या स्थानाचा जातकाच्या उत्पन्नाशीदेखील संबंध आहे. त्यामुळे या स्थानी दोन किंवा अधिक परस्पर शषू ग्रह स्थित असतील तर जातकाच्या कर्मक्षेष्णामध्ये समतोल ढासळतो. जातकाच्या नोकरी-व्यवसायात स्थैर्य नसते. दशम भावातील अंध असलेल्या ग्रहांचा दोष घालविण्याकरिता दहा अंध व्यक्तींना अन्नदान (भोजन) करावे.

निष्कर्ष : आपल्या कुंडलीत दशम स्थानी दोन किंवा अधिक परस्पर शषू असलेले ग्रह स्थित आहेत. लाल किताब नुसार ही अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) आहे.

### अर्धांध (रातांधळ्या) ग्रहांची कुंडली (टेवा)

लाल किताबनुसार चतुर्थ भावामध्ये सूर्य आणि सप्तम भावामध्ये शनि स्थित असलेल्या कुंडलीला अर्ध अंध ग्रहांची कुंडली म्हणतात. या ग्रहस्थितीचा जातकाच्या मानसिक स्थितीवर तसेच व्यावसायिक जीवनावरही अशुभ परिणाम होतो. जातकाच्या मानसिक शांतीमध्ये प्रचंड कमतरता येऊ शकते. चतुर्थ स्थान हे कौटुंबिक सुखाचेही कारक आहे त्यामुळे कौटुंबिक सुखाचा अभाव किंवा त्याविषयी असमाधान असण्याची शक्यता बळावते.

निष्कर्ष : आपल्या कुंडली अर्ध अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) नाही.

### धर्मी टेवा (कुंडली)

लाल किताबनुसार कुंडलीत गुरुसोबत शनि स्थित असेल तर अशा कुंडलीला धर्मी कुंडली असे म्हणतात. या जातकाला आयुष्यात उलथापालथ होण्याइतपत शक्यतो कोणत्याही मोठ्या समस्या येत नाहीत. अगदीच अटितटीच्या प्रसंगी यांना कुटूनतरी दैवी मदत प्राप्त होते.

निष्कर्ष : ही कुंडली धर्मी कुंडली (टेवा) नाही.

## ग्रहफल - (लाल किताब)

### रवि एकादश स्थानी



आपल्या कुंडलीत रवी एकादश स्थानात आहे. आपण अत्यंत महत्वाकांक्षी असून आपली महत्वाकांक्षा पूर्ण कराल. आपण खूप धार्मिक प्रवृत्तीचे असाल आणि परमेश्वरावर आपला अधिक विश्वास असेल. आपणास सरकारकडून लाभ होईल. आपणास जीवनातील सर्व सुख प्राप्त होतील आणि आपले जीवन संपन्नता आणि सुख समाधानाने व्यतीत होईल. आपणास तीन पुत्र होतील. आपण एका सुंदर घराची निर्मिती कराल. आपण जीवनात नेहमी प्रगती कराल. आपला आळस आणि बेजाबदारीमुळे अनेक संधी आपल्या हातून निसटून जातील. आपल्या जीवनाचा उत्तरार्ध सुख आणि शांतीपूर्वक असेल. आपल्या संबंधातील लोकांशी आपला व्यवहार उत्तम असेल. आपण वाईट कार्याचा नेहमी तिरस्कार कराल. आपण शाकाहारी असाल. आपला जोडीदार आणि मुले आज्ञाकारी असतील. आपले कुटुंब जर धार्मिक असेल तर ते खूपच शुभ असेल.

आपण जर लोकांना मदत करण्याच्या ऐवजी त्यांच्या कार्यात अडथळे आणले, बकरी इत्यादिला मारून त्यांचे मांस भक्षण केले किंवा आपल्या वडीलांच्या भावाबहीणींबरोबर भांडण केले तर आपला रवी बलहीन होऊ शकतो. काही कारणांनी आपला रवी जर बलहीन झाला तर आपणास आपल्या वडीलांच्या भावा बहीणींकडून अशुभ परिणाम प्राप्त होतील. आपण जर मद्यपान आणि मांसाहार केला तर आपले जीवन नरकासमान बनेल. आपण स्वप्नात जर साप पाहिला तर आपणास ते अशुभ ठरेल. आपण जर कोणाबरोबर भांडण केले, शिव्या दिल्या किंवा खोटी साक्ष दिली, किंवा कोणाच्या जीवनात अशांती आणली तर आपले जीवन कष्टमय होईल. जर आपण खोटे बोलत असाल तर आपली शक्ती कमी होईल. आपणास प्रवासाच्या दरम्यान जखम होण्याची शक्यता आहे किंवा नुकसान होण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

**दक्षता :**

- 1—असत्य बोलू नये.
- 2— मांसाहार किंवा मद्यपान करू नये.

उपाय :

- 1- मूळ्याचे दान करावे.
- 2- पाण्यात साखर मिसळून सूर्यास अर्ध्या द्यावे.
- 3- शेळीला कसायापासून वाचवून जंगलात सोडून द्यावे. यामुळे आपणास संततीसुख प्राप्त होईल आणि ती दीर्घायुषी होईल.
- 4- आपला बिछाना वाळूवर ठेवावा व त्यावर झोपावे.

### चंद्र एकादश स्थानी



आपल्या कुंडलीत चंद्र एकादश स्थानी आहे. आपणास उत्तम शिक्षण प्राप्त होईल आपण आपल्या ज्ञानाने भविष्यात लाभ मिळवाल. आपण रात्री अध्ययन करीत असाल तर आपणास त्याचा लाभ होईल. आपणास सुखसोयीची सर्व साधने प्राप्त होतील आणि आपण एक खुशहाल जीवन व्यतीत कराल. आपण राजकारणात सक्रिय होण्याची शक्यता आहे किंवा आपण सरकारी नोकरी कराल. आपणास त्यामुळे उत्कृष्ट परिणाम मिळतील. आपण 32 वर्षापर्यंत धन कमवाल आणि जमा कराल. आपणास स्त्री वर्गाकडून सहकार्य आणि लाभ मिळेल.

आपण जर शुक्रवारी विवाह केला, रात्री फेरे घेतले, सकाळी दान घेतले, कोणतेही कार्य बुधवारी आरंभ केले किंवा शनीवारी कोणते मशिन घेतले तर आपला चंद्र बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला चंद्र बलहीन झाला तर आपल्या शिक्षणात खंड पडू शकतो. आपणास संतती किंवा पुत्र सुख मिळणार नाही. आपल्या मातेस नातवांचे सुख विलंबाने मिळेल. ती आपल्या संततीच्या जन्माच्या वेळी दूर गेलेली असू शकते. आपली पत्नी तिच्या माहेरी अपत्याला जन्म देईल. आपल्या आईने जर आपल्या अपत्यास 43 दिवस पाहीले नाही तर ते दीर्घायुषी होईल. आपली जननशक्ती कमजोर होण्याची शक्यता आहे. आपण डॉक्टरांचा सल्ला घेणे आवश्यक आहे आणि सोने युक्त औषध किंवा दूधाच्या पदार्थाचे सेवन केल्याने आपले पौरुष्य वाढायेल.

आपली किंवा आपल्या आईची शस्त्रक्रिया करावी लागेल. आपले आपल्या आजीबरोबर किंवा आईबरोबर आपले संबंध चांगले असणार नाहीत. आपले शत्रु अडचणी निर्माण करू शकतात. आपणास जीवनात चढाय उतार पहावे लागतील. आपला भाऊ, नातेवाईक आणि संपत्तीवर वाईट परिणाम होण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

**दक्षता :**

- 1— आपल्या शिक्षणात खंड पडू देऊ नये. ते पूर्ण करावे.
- 2— आपले आचरण शुध्द ठेवावे.

**उपाय :**

- 1— भैरवाच्या मंदिरात दूध अर्पण करावे किंवा कामगारांना दूध दान करावे.
- 2— आपल्या आईचे आरोग्य ठीक नसेल तर 121 पेढे 11 मुलांना बरोबर वाटावेत.
- 3— आपल्या घराच्या छताखाली नदीचे पाणी ठेवावे.

### मंगळ तृतीय स्थानी



आपल्या कुंडलीत मंगळ तृतीय स्थानी आहे. आपण स्वप्नाळू वृत्तीचे असाल आणि आपल्या कल्पना विश्वात रममाण होणारे असाल. आपण विनम्र आणि मृदुभाषी असाल. आपणास आपल्या सासरच्या लोकांकडून मदत मिळेल. आपणास आपल्या कुटुंबाकडूनही मदत मिळेल. आपण प्रतिकूल परिस्थितीवरही विजय मिळवाल. आपल्या शारिरीक आणि मानसिक दक्षतेमुळे आपला इतर लोकांवर प्रभाव पडेल. आपणास आपली क्षमता दर्शविण्याची संधी मिळेल. आपणास आई वडील, भाऊ बहीणीचे सुख प्राप्त होईल. आपले मित्रही आपली मदत करतील. आपली पत्नी चांगल्या घराण्यातील असेल.

आपण जर पर स्त्रीयांशी अनैतिक संबंध ठेवले, आपण घमेंडी बनलात, मासांहारी जेवण आणि मद्यपान करीत असाल, क्रोध करीत असाल तर आपला मंगळ बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने मंगळ बलहीन झाला तर आपण आपले काम दगाबाजीने आणि चुकीच्या मार्गाने कराल. आपण खोट्या आशा बाळगाल. अति भोगविलासामुळे आपले जीवन बरबाद होण्याची शक्यता आहे. आपण कर्जबाजारी होऊ शकता. आपल्या कुटुंबातील एखाद्या सदस्याचा अचानक मृत्यु होऊ शकतो. आपली पत्नी मृत अर्भकाला जन्म देऊ शकते किंवा तिचा गर्भपात होण्याची शक्यता आहे. आपल्या घरी चोरी होऊ शकते. आपले काका किंवा भाऊ आपल्या संततीमुळे चिंतीत राहण्याची शक्यता आहे. आपला भाऊ, नातेवाईक आणि मित्र आपल्या विनाशास कारणीभूत ठरतील. एखाद्या

भांडणामुळे किंवा वाद विवादामुळे आपणास मृत्यु येऊ शकतो. आपणास रक्तासंबंधी विकार किंवा पोटासंबंधी विकार होण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

**दक्षता :**

- 1— हस्तीदंतापासून बनविलेली कोणतीही वस्तु घरात ठेऊ नये.
- 2— दक्षिणमुखी घरात निवास करू नये.

**उपाय :**

- 1— कन्यांची सेवा करावी किंवा दुर्गापाठ करावा.
- 2— आपल्या कपाळावर हळद किंवा केशरचा टिळा लावावा.

### बुध एकादश स्थानी



आपल्या कुंडलीत बुध एकादश स्थानी आहे. आपली संतती चारित्र्यवान असेल. आपला विवाह उच्चस्तरीय कुटुंबात होईल. 1 ले, 23 वे, 33 वे, 36 वे, 44 वे, 57 वे, 73 वे, 84 वे आणि 94 वे वर्ष आपणास शुभ लाभदायक ठरतील. आपण प्रतिभावान आणि लाजाळू वृत्तीचे असाल. आपण 34 व्या वर्षानंतर चांगले जीवन व्यतीत कराल. आपणासाठी मैत्री लाभदायक ठरणार नाही. आपणास परदेशी व्यापारात लाभ होईल. आपणास सरकारकडून लाभ आणि सन्मान प्राप्त होईल. आपणास चित्रकला, कला, अध्यापन किंवा कायद्यासंबंधी व्यवसायाने आपणास लाभ प्राप्त होईल. आपण आपल्या बुद्धीमत्तेच्या सामर्थ्यावर लाभ आणि प्रतिष्ठा मिळवाल.

आपण जर काही वाईट काम केले, साधुकडून ताविज घ्याल, आपल्या घरी चीडवृक्ष असेल तर आपला बुध कमजोर होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला बुध बलहीन झाला असेल तर आपणास 39 वर्षी शारिरीक त्रास सहन करावा लागेल. आपल्या बहीणीचा नवरा सधन कुटुंबातील असेल, परंतु आपली बहीण त्याच्यामुळे दुःखी राहू शकते. आपल्या मुलांना त्रास होण्याची शक्यता आहे. आपणास पाय, कान आणि सांध्याचे विकार होण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

दक्षता :

- 1— रुंदपर्णी झाड, आपल्या घरात लावू नये.
- 2— काश्याच रिकामे भांडे ठेऊ नये.

उपाय :

- 1— पिवळ्या रंगाचा रुमाल आपल्याजवळ ठेवावा.
- 2— लावारीस प्रेतास कफन दान करावे.

### गुरु दशम स्थानी



आपल्या कुंडलीत गुरु दशम स्थानी आहे. आपणास आपल्या जीवनात एकट्यानेच संघर्ष करावा लागेल. आपण आपल्या शूरपणामुळे यश संपादन कराल. आपण सोने, चांदी आणि कपड्यासंबंधी व्यवसाय किंवा दलाली करीत असाल तर त्यात आपणास अधिक प्रमाणात धन आणि यश प्राप्त होईल. 29 व्या वर्षापासून आपणास सुख मिळण्यास सुरुवात होईल. आपल्या वडिलांचे आपणास आवश्यकतेपेक्षा कमी प्रमाणात सहकार्य मिळेल. आपणास शिल्पकलेच्या संबंधित कामात अधिक धन प्राप्त होईल. आपली धर्मावर आस्था असेल आणि आपण कल्याणकारी कार्य कराल. आपले वैवाहिक जीवन सर्वसाधारण असेल. आपल्या आर्थिक परिस्थितीमध्ये सुधारणा होईल. सरकारी विभागाच्या संदर्भात केलेल्या प्रवासांमुळे आपणास अधिक धन प्राप्त होईल. परदेशी प्रवासांमुळेही आपणास अधिक लाभ प्राप्त होईल.

आपण जर आपले शिक्षण पूर्ण केले नाही, शेखचिल्ली प्रमाणे स्वप्न बघत असाल, आपल्या घरी किंवा घराजवळ पिंपळाचे वाळलेले झाड असेल तर आपला गुरु बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला गुरु बलहीन झाला असेल तर आपण चारित्र्यहीन स्त्रीयांबरोबर रहाल आणि दुःखी व्हाल. आपल्या मुलांबरोबर आपले संबंध चांगले असणार नाही. आगीमुळे आपले नुकसान होण्याची शक्यता आहे. आपल्या वयाच्या 36 व्या वर्षानंतर आपण जर मंदिरात जाल आणि तेथे प्रार्थना कराल तर आपणास त्याचा लाभ होईल. आपण आपले चारित्र्य पवित्र ठेवले पाहिजे आणि चोरीच्या कार्यात सहभागी होऊ नये.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

दक्षता :

- 1- सोने विकू नये.
- 2- सोनेरी किंवा पिवळ्या रंगाचे कपडे परिधान करू नये.

उपाय :

- 1- साधु आणि गुरुची सेवा करावी.
- 2- पिंपळाच्या वृक्षाला पाणी द्यावे.
- 3- रोज 43 दिवस तांब्याचे नाणे वाहत्या पाण्यात प्रवाहीत करावे.

### शुक्र दशम स्थानी



आपल्या कुंडलीत शुक्र दशम स्थानी आहे. आपण कामुक, लालची आणि घमेंडी असू शकता. आपणास संरक्षणाची आवड असेल. आपले आरोग्य उत्तम असेल आणि आपली शरीरयष्टी दणकट असेल. आपण जीवनात दुर्घटनाचे शिकार कधी होणार नाही. आपल्या तरुणावस्थेमध्ये आपली अनेक प्रेम प्रकरणे असतील. आपण आपल्या बुद्धीमत्ता आणि हुशारीच्या सामर्थ्याने अनेक लाभ मिळवाल परंतु आपले नुकसान होण्याची शक्यता आहे. आपल्या जोडीदाराचे आरोग्य उत्तम असेल. आपली पत्नी आपले अनेक अडचणींपासून रक्षण करेल. आपण जेव्हा पत्नीबरोबर असाल तेव्हा आपल्या बाबतीत कोणतीही वाईट घटना घडणार नाही.

आपण जर मांसाहार आणि मद्यपान केले, स्त्रीयांवर अधिक विश्वास ठेवला, मासेमारी केली तर आपला शुक्र बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला शुक्र बलहीन झाला असेल तर आपल्या पत्नीचा आपल्यावर वर्चस्व राहील. आपले जर परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध असतील तर आपल्या संततीस अडचणींना सामोरे जावे लागेल. आपणास संतान सुख मिळण्याची शक्यता नाही. आपल्या विवाहानंतर आपली पत्नी आजारी राहील किंवा तिचे आरोग्य ठीक असू शकणार नाही. यामुळे आपणास त्रास होईल. आपणास मूत्र विकार होण्याची शक्यता आहे.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

दक्षता :

- 1- मद्यपान आणि माश्यांचे सेवन करू नये.

2- स्त्रीयांच्या मागे फिरु नये.

उपाय :

1- कपिला गाईचे दान करावे.

2- आपल्या पत्नीने आपल्या शरीरावर दूध किंवा दह्याने मालीश करुन स्नान करावे.

### शनि द्वादश स्थानी



आपल्या कुंडलीत शनी द्वादश स्थानी आहे. आपण धनाची पर्वा करणार नाही आणि मुक्त हस्ताने खर्च कराल. आपणास पूर्वजांची संपत्ती मिळेल. आपण गरजू लोकांची मदत कराल आणि त्यांना मार्गाला लावाल. आपले कोणी शत्रु असणार नाही. आपण धनवान आणि आनंदी असाल. आपले मनोरथ उशीरा पूर्ण होईल. आपल्या जवळ विभिन्न प्रकारची संपत्ती असेल. आपला संबंध घरंदाज कुटुंबाशी असेल. आपण धनसंचय कराल आणि एक सुखी जीवन व्यतीत कराल. आपण आपल्या पूर्व जन्माच्या संचितानुसार एखादे मोठे कार्य पूर्ण कराल. आपण ध्यानात निपुण असाल. आपण प्रमुख किंवा नेता बनू शकता. ते आपल्या कमाईसाठी आणि सुखासाठी शुभ ठरेल. आपण अधिक चलाख असाल. आपणास रात्री पूर्ण सुख आणि आराम मिळेल.

आपण जर जमीन खरेदी करुन घर बांधाल, घराच्या शेवटी अंधार असलेल्या खोलीला खिडकी बनवाल, नेहमी खोटे बोलाल, इतरांचे धन हडप करण्याचा प्रयत्न कराल तर आपला शनी बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला शनी बलहीन झाला असेल तर आपणास नेत्र विकार होऊ शकतो. आपला जर चारित्र्यहीन स्त्रीयांशी संबंध आला, मासांहार आणि मद्यपान केले तर आपणास अशुभ परिणाम प्राप्त होतील. आपले एकापेक्षा अधिक विवाह होऊ शकतात. आपण आपल्या पत्नीच्या सांगण्यानुसार वागाल. कधी कधी आपण खूप क्रोधीत होऊ शकता जे आपणासाठी हानीकारक आहे. आपणास संततीसुखात अडथळा येण्याची शक्यता आहे किंवा संततीसुख उशीरा मिळू शकते. आपणास संपत्तीच्या किंवा हत्येच्या संदर्भात कायद्याच्या समस्यांना सामोरे जावे लागू शकते. आपणास पोलिस किंवा कोर्टद्वारा दंड होऊ शकतो.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

दक्षता :

- 1- परस्त्रीयांशी अनैतिक संबंध ठेऊ नये.
- 2- इतरांचे धन हडप करू नये.

उपाय :

- 1- तांब्याच्या भांड्याचा वापर करावा.
- 2- लाकडाच्या चौरंगी पलंगावर झोपावे.

### राहु द्वादश स्थानी



आपल्या कुंडलीत राहु द्वादश स्थानी आहे. आपणास जीवनात सर्व सुखे प्राप्त होतील. आपण एका साधुप्रमाणे व्यवहार कराल. आपणास उच्च शिक्षण प्राप्त होईल आणि आपण जीवनात स्वकष्टाने प्रगती कराल. आपणास संकटांचा सामना करावा लागणार नाही आणि आपण चिंतामुक्त बनेल. आपण धनवान बनेल आणि सुखी जीवन व्यतीत कराल. आपण आपल्या भावंडांवर प्रेम कराल आणि आपल्या शत्रूला पराभूत कराल. आपली मुलगी आपणासाठी भाग्यवान असेल आणि आपणास धन आणि सुख प्राप्त होतील. आपण शुभ प्रसंगी विशेषतः आपल्या भावाच्या आणि बहीणीच्या लग्नात अधिक पैसे खर्च कराल, आपल्यावर कर्जाचा डोंगर असेल तर आपण त्याची तुरंत परत फेड कराल. आपणास शुभ प्रसंगी धनप्राप्ती प्राप्त होईल. आपली पत्नी सधन कुटुंबातील असेल.

आपल्या मुलीची संख्या अधिक असेल, आपल्या घरात अधिक प्रकाश असेल, आपण स्वतःची स्तुती केली, विचार न करता काही कार्य केले तर आपला राहु बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला राहु बलहीन झाला असेल तर आपण नशा करण्याची सवय किंवा वाईट मित्रांच्या संगतीमुळे दुःखी होऊ शकता. आपणास आतड्याच्या किंवा फासळ्यासंबंधी विकार होऊ शकतात. आपणास बवासीर होऊ शकतो. आपणास मानसिक अशांततेमुळे शांत झोप लागू शकणार नाही. आपण दिवसा स्वप्न पाहू शकता आणि आपला वेळ वाया घालवू शकता. आपली एखाद्या खटल्यात फसवणूक होऊ शकते. आपल्या कुटुंबाची जबाबदारी आपल्यावर येऊ शकते.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

दक्षता :

- 1- पाकगृहाच्या बाहेर जेवण बनवू नये.

2- अंगणात धूर करु नये.

**उपाय :**

1- आपल्या घराच्या शेवटी अंधारी खोली बांधावी.

2- आपल्या घरात चांदीचा भरीव हत्ती ठेऊ नये किंवा सफेद कपड्यात चांदीचा चौरसाकृती तुकडा बांधून गळ्यात बांधावा.

### केतु षष्ठी स्थानी



आपल्या कुंडलीत केतु षष्ठ स्थानी आहे. आपण गर्विष्ठ नसाल. आपण एक चांगले सल्लागार असाल. आपली संतती आपली मदत करेल. आपण धनवान बनाल आणि आपल्या आजोळसाठी भाग्यवान ठराल. आपण आपल्या शत्रुला पराभूत कराल. आपला पुत्र आपल्या अडचणी कमी करेल आणि आपली मदत करेल. आपण आपल्या जीवनात सुख प्राप्त कराल. आपण कोठेही राहीलात तरी आपले जीवन आनंदमयी असेल.

आपण आपल्या सासरकडून आपल्या विवाहात सोन्याची अंगठी किंवा दोन पलंग घेतले नाही, आपल्या सासरकडून मिळालेली अंगठी हरवली किंवा आपण ती विकली तर आपला केतु बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला केतु बलहीन झाला असेल तर आपली आई आणि सासरच्या लोकांना अशुभ परिणाम प्राप्त होऊ शकतात. आपणास कुत्र्यापासून भय असू शकते. आपणास वृद्धावस्थेचा काळ चांगला जाणार नाही. आपला वायफळ खर्च होईल. कधी कधी आपण रिकामे फिरू शकता. आपला मुलगा इतरांसाठी भाग्यवान ठरणार नाही. आपणास मुली अधिक असतील. आपणास पोट, त्वचा किंवा पायासंबंधी विकार होऊ शकतो. आपल्या आईस आणि मामास संकटाचा सामना करावा लागण्याची शक्यता आहे. आपल्या शत्रुच्या संख्येत विनाकारण वाढाय होऊ शकते.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

**दक्षता :**

1- आपण आपल्या सासरकडून मिळालेली सोन्याची अंगठी विकू नये किंवा हरवू नये.

2- कुटुंबातील मुलीबरोबर भांडण करू नये.

**उपाय :**

- 1- आपल्या कपाळावर केशर किंवा हळदीचा टिळा लावावा.
- 2- शुध्द सोने घालावे.



## लाल किताबनुसार ऋण आणि त्यांचे उपाय

### पितृ ऋण

आपल्या कुंडलीत गुरु केंद्रस्थ तसेच राहु द्वादशस्थ आहे. लाल किताबनुसार ही पितृऋणयुक्त कुंडली आहे. दोषपरिहारार्थ लाल किताबमधील निर्दिष्ट उपाय अवश्य करावेत. हे पितृऋण गुरु ग्रहाशी संबंधित असल्यामुळे गुरु ग्रहाकरिता सुचविलेले उपाय करणे हितावह ठरेल.

#### पितृ ऋण सकारण

- 1) कुलपुरोहित बदलण्याची आवश्यकता पडणे.
- 2) घराजवळील धर्मस्थळ उध्वस्त केले जाणे.
- 3) घराजवळील वट/पिंपळ/उंबर यांसारखे पविष वृक्ष तोडणे.

#### पितृ ऋण उपाय

- 1) कुटुंबातील सर्व सदस्यांकडून समभाग रक्कम गोळा करून एखाद्या धार्मिक ठिकाणी दान करावी.
- 2) घरानजीक असलेल्या धार्मिक स्थळी स्वतः जाऊन तेथील साफसफाई करावी.
- 3) घरानजीक असलेल्या वड-पिंपळाच्या पविष वृक्षाची सेवा करावी. अर्थात पाणी घालावे, त्याची निगा राखावी.

### जालीमाना ऋण

आपल्या कुंडलीत दशमस्थ किंवा एकादशस्थ रवि-चंद्राचा शनिवर अनिष्ट परिणाम होत असल्यामुळे जालीमाना ऋण दोष लागू होत आहे.

#### जालीमाना ऋण सकारण

- 1) कुणाचाही अकारण जीव घेणे किंवा एखाद्याचे घर बळकावणे ही या ऋणाची प्रमुख कारणे आहेत. घराचा दरवाजा दक्षिणेला असणे, अनाथाश्रमासाठी किंवा रस्त्यासाठी आरक्षित जागेवर किंवा विहिरीवर घर बांधलेले असणे.

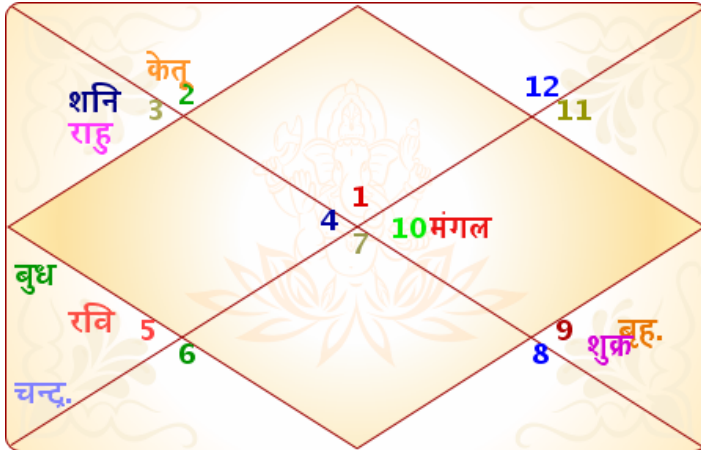
#### जालीमाना ऋण उपाय

- 1) कुटुंबातील सर्व सदस्यांकडून समभाग रक्कम घेऊन एकाच वेळी 101 मजूरांना भोजन द्यावे.
- 2) 100 तलावातील माशांना दाणा चारावा.
- 3) 43 दिवस कावळ्यांना भाकर-तुकडा चारावा.

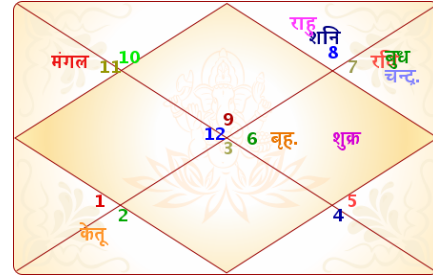
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

02:11:2016--01:11:2017

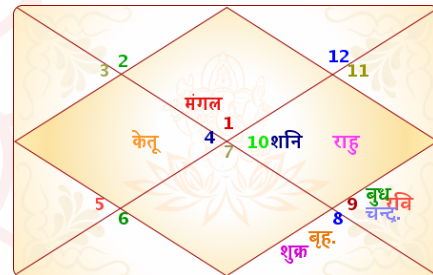
## वर्षफल कुंडलीत(६१)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 5      | 5      | ग्रह  |          | हां         |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| चंद्र | 5      | 4      | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| मंगळ  | 10     | 1, 8   | ग्रह  |          |             | शनि       | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| बुध   | 5      | 3, 6   | राशी  |          |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| गुरु  | 9      | 9, 12  | ग्रह  | हां      | हां         |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| शुक्र | 9      | 2, 7   | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| शनि   | 3      | 10, 11 | ग्रह  |          |             | मंगळ      | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| राहु  | 3      |        | ग्रह  |          |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| केतु  | 2      |        | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | ---        |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह     | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-----------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   |                 | मंगळ   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   | केतु            | शुक्र  | गुरु       |           | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   | शनि, राहु       | बुध    | मंगळ       |           | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   |                 | चंद्र  | चैप        | हां       | गुरु        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   | रवि, चंद्र, बुध | रवि    | गुरु       |           |             |             | रवि            |
| 6   |                 | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   |                 | शुक्र  | शुक्र, बुध | हां       | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   |                 | मंगळ   | मंगळ, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   | गुरु, शुक्र     | गुरु   | गुरु       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  | मंगळ            | शनि    | शनि        |           | मंगळ        | गुरु        | शनि            |
| 11  |                 | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरु           |
| 12  |                 | गुरु   | गुरु       | हां       | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ६१

### रवि पंचम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

न्वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपले मित्रसुद्धा शत्रूसारखे वागतील. वैवाहिक जोडीदाराबरोबर वैचारिक मतभेद संभवतात तसेच त्यांच्या आरोग्याचीही चिंता राहील. एकंदरीत आपले वैवाहिक जीवन चांगले नसेल. आपणास कोर्ट कचेरीमुळे त्रास होईल व निकाल तुमच्या विरुद्ध लागतील. या वर्षी आपणावर खोटे आरोप ठेवले जातील व आपले वरिष्ठांबरोबरचे संबंध बिघडतील.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- लाल तोंडाच्या माकडाला चणे आणि गुळ खारू घालावा.
- 2- खोटी साक्ष देऊ नये.
- 3- सलग 43 दिवस मोहरीचे काही थेंब जमीनीवर सांडावे.

### चंद्र पंचम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ चंद्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार जर आपण भागीदारीत व्यवसाय करत असाल तर त्यात मतभेद होण्याची शक्यता आहे. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणे व संगणक संबंधी व्यवसायात नुकसान होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्राच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- धार्मिक स्थळांची यात्रा करावी.
- 2- कोणतेही कार्य आरंभ करण्यापूर्वी इतरांचा सल्ला घ्यावा.
- 3- डोंगराळ प्रदेशाची यात्रा करावी.
- 4- लालची किंवा स्वार्थी बनू नये.

### मंगळ दशम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ मंगळ शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपल्या कार्यात अनेक अडथळे उत्पन्न होतील. विनाकारण आपली बदनामी होऊ शकते. आपणास सावधगिरीने राहण्याची गरज आहे. या वर्षी आपणास उच्च रक्तदाबाचा त्रास होऊ शकतो. मीठाचे अतिरिक्त सेवन टाळले पाहिजे. जर आपण घरातील सोने विकणार असाल तर त्याचा आपल्या संततीवर विपरीत परिणाम होऊ शकतो.

#### वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— हरिण पाळावे.
- 2— निपुत्रिक व्यक्तींची सेवा करावी.
- 3— दूध उकळून चुलीवर सांडू देऊ नये.

### बुध पंचम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ बुध शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपल्या सामाजिक प्रतिष्ठेमध्ये वृद्धी होईल. आपणास गुप्त विद्या आणि ज्योतिष सारख्या विषयात विशेष आवड असेल. या वर्षी आपण गंभिरतापूर्वक नोकरी / व्यवसायात रुची घ्याल. आपणास या वर्षी अचानक धनलाभ होईल आपली भविष्यवाणी सत्यात उतरेल.

#### वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— डाव्या हातात चांदीचा छल्ला घालावा.
- 2— कंबरेला कंबरपट्टा घालावा.
- 3— गळ्यात तांब्याचा पैसा बांधावा.
- 4— आपल्या घरात पूजेचे स्थान बदलू नये.
- 5— घराच्या छतावर पावसाचे पाणी जमा करावे.

### गुरु नवम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत नवमस्थ गुरु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. या वर्षी धर्माबद्दल आपणास अनास्था वाटेल. आपणास या वर्षी आपली वर्तणूक शुद्ध ठेवली पाहिजे. वडिल आणि आजोबांबरोबर चांगला व्यवहार केला पाहिजे नसता अनेक अडचणींना तोंड द्यावे लागेल. या वर्षी आपणास सावध व सतर्क राहणे गरजेचे आहे नसता

सोन्याचांदीच्या चोरीचे भय राहिल.

#### वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— गंगा स्नान करावे.
- 2— धार्मिक कार्यात उत्साहाने भाग घ्यावा.
- 3— आपण दिलेली वचने पाळावीत.

### शुक्र नवम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत नवमस्थ शुक्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपल्या संततीचे आरोग्य आपणासाठी चिंतेचा विषय बनेल आणि जोडीदारालाही रक्त विकार होतील. व्यसनापासून अत्यंत दूर राहिले पाहीजे नसता आपण त्याच्या आहारी जाल. भावंडांशी मतभेद संभवतात.

#### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— लिंबोणीच्या झाडाच्या बुंध्याजवळ चांदीचा चौकोनी तुकडा गाडावा.
- 2— घराच्या पायाभरणीत चांदी आणि मध ठेवावा.
- 3— आपल्या पत्नीस चांदीच्या बांगड्यांना लाल रंग लावून घालण्यास द्यावे.
- 4— दिवसा अंतरंग संबंध ठेऊ नये.
- 5— ॲल्युमीनीयमच्या भांड्याचा वापर करू नये.

### शनि तृतीय भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास भावंडांच्या विरोधाला तोंड द्यावे लागेल. आकस्मित धनहानी होण्याची शक्यता आहे. इतरांच्या व्यवसायाचा आपणावर विपरीत परिणाम होण्याची शक्यता आहे. भावांपासून विभक्त होण्याची शक्यता आहे. कुत्रा इत्यादि प्राण्यांपासून आपण स्वतःचा बचाव केला पाहीजे. वाममार्गाने पैसे कमविणे टाळा. जमीन किंवा घरा संबंधीच्या एखाद्या घटनेमुळे त्रास होण्याची शक्यता आहे.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मद्य आणि मासे यांचे सेवन करू नये.
- 2— घराच्या छतावर दरवाज्याची चौकट बसवू नये.
- 3— घरात बाभळीचे किंवा बोरीचे झाड लावावे.
- 4— घराच्या शेवटी एक अंधारी खोली ठेवावी.

### राहु तृतीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ राहु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास आपली भावंडे आपणास धाका देतील. नातेवाईकांवर अजिबात विश्वास नये. नसता ते आपली संपत्ती हडप करतील. आपणास सर्तक राहणे आवश्यक आहे. या वर्षी आपण कर्ज घेणे टाळावे. जिवलग मित्रांशीही मतभेद होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— हस्तीदंत किंवा त्यापासून बनविलेल्या वस्तुंचा व्यवसाय करू नये.
- 2— हत्तीची खेळणी घरात ठेऊ नये.
- 3— चांदीच्या डब्यात तांदूळ भरून आपल्या घरात ठेवावे.

### केतु द्वितीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपण आपल्या कुटुंबातील सदस्यांना खूप ठेऊ शकणार नाही. आपण भांडणतंटे आणि वादविवादांपासून दूर राहीले पाहिजे. नसता आपली प्रतिष्ठा कमी होईल.

वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— हळद किंवा केशराचा टिळा लावावा.
- 2— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.

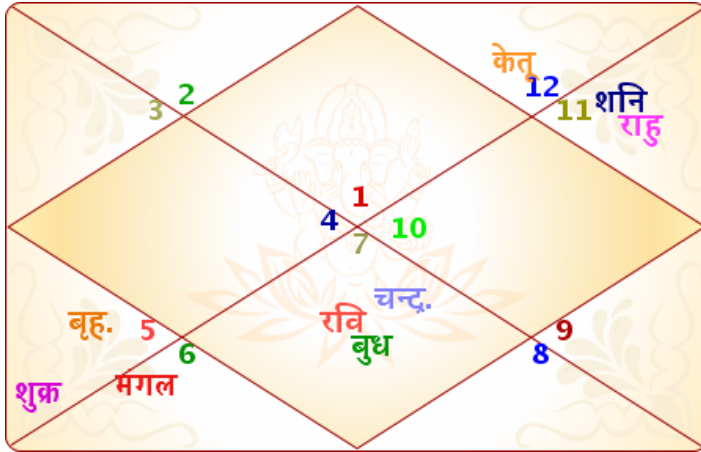
3- कुमारी मुलींची सेवा करावी.



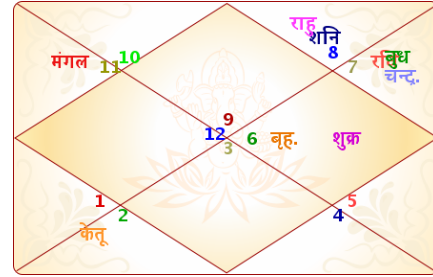
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

02:11:2017--01:11:2018

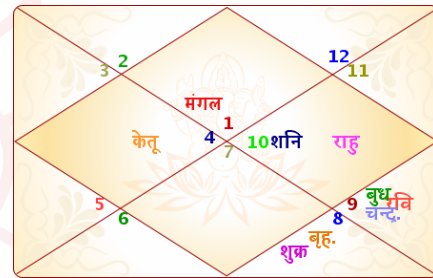
## वर्षफल कुंडलीत(६२)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 7      | 5      | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| चंद्र | 7      | 4      | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| मंगळ  | 6      | 1, 8   | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | ---        |
| बुध   | 7      | 3, 6   | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| गुरू  | 5      | 9, 12  | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| शुक्र | 5      | 2, 7   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | ---        |
| शनि   | 11     | 10, 11 | ग्रह  |          |             |           | हां  | हां   | हां       | शुभ भावात  |
| राहु  | 11     |        | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| केतु  | 12     |        | ग्रह  |          | हां         |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह     | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-----------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   |                 | मंगळ   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   |                 | शुक्र  | गुरू       | हां       | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   |                 | बुध    | मंगळ       | हां       | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   |                 | चंद्र  | चैप        | हां       | गुरू        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   | गुरू, शुक्र     | रवि    | गुरू       |           |             |             | रवि            |
| 6   | मंगळ            | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   | रवि, चंद्र, बुध | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   |                 | मंगळ   | मंगळ, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   |                 | गुरू   | गुरू       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  |                 | शनि    | शनि        | हां       | मंगळ        | गुरू        | शनि            |
| 11  | शनि, राहु       | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरू           |
| 12  | केतु            | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ६२

### रवि सप्तम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास संतंतीसंबंधी चिंता राहिल. घरात अग्निकांड संभवते. पत्नीचे आरोग्य बिघडेल व त्यामुळे तुम्हाला काळजी वाटेल. अनाढायी उद्वलेल्या अर्थिक खर्चामुळे आपले मानसिक संतुलन बिघडेल. जर आपण भागीदारीत व्यवसाय करीत असाल तर आपणास नुकसान होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- कोणतेही कार्य गोंड पदार्थ खाऊन आणि पाणी पिऊन सुरु करावे.
- 2- अग्निला आहूती द्यावी.
- 3- मीठ कमी प्रमाणात खावे.
- 4- जमीनीत तांब्याचे सात चौकोनी तुकडे गाडावेत.

### चंद्र सप्तम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ चंद्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपणास हे वर्ष आर्थिक दृष्ट्या चांगले जाईल. या वर्षी सासरकडून लाभ होतील. समाजात आपली लोकप्रियता वाढेल. आपण सामाजिक कार्यात आनंदाने सहभागी व्हाल. आयात निर्यात संबंधित व्यवसायात आपणास लाभ होईल.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- दूध उतु जाऊ देऊ नये.
- 2- सासरकडून चांदी घ्यावी.
- 3- दूधाचा व्यवसाय करू नये.
- 4- आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.

## मंगळ षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ मंगळ शुभ आहे. या वर्षी आपल्या मित्र परिवारात वृद्धी होईल. धार्मिक कार्यात आपण सहभागी व्हाल. परदेशस्थ संबंधातून आपणास लाभ होतील. या वर्षी आपली परमेश्वरावरील श्रद्धा वाढेल. शिक्षणाच्या संदर्भातील कार्यात आपणास यश मिळेल. पैशाच्या देण्याघेण्याच्या व्यवहारात आपणास बरेच धन मिळेल. आपले जीवन संतमहात्म्यासारखे असेल.

वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— लिंगोणीचे झाड लावावे.
- 2— रात्री डोक्याजवळ पाणी ठेवावे व सकाळी ते एखाद्या झाडाच्या बुंध्याला घालावे.
- 3— पितरांचे श्राद्ध करावे.
- 4— आपल्या घरी 8 मन धान्य नेहमी ठेवावे.

## बुध सप्तम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ बुध शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास क्रोधावर नियंत्रण ठेवणे गरजेचे आहे. नसता अनुचित वर्तणुकीमुळे आपला मान सन्मान कमी होईल. आपण भागीदारीत व्यवसाय करीत असाल तर आपणास तोटा होण्याची शक्यता आहे. आपला भाऊ किंवा जोडीदाराच्या आरोग्यावरही अनिष्ट परिणाम होऊ शकतात.

वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— कोणत्याही कार्यास सुरुवात करण्यापूर्वी गोड खावे.
- 2— अंगठीमध्ये हीरा जडवून घातल्यास लाभदायक ठरेल.
- 3— आपल्या घरात हिरवे गवत लावावे.

## गुरु पंचम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ गुरु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपण आपल्या गुरुबरोबर आणि साधु संताबरोबर मधुर संबंध प्रस्थापित करणे गरजेचे आहे. मांसाहार व मद्यपानापासून दूर राहीले पाहीजे त्यामुळे संतीतीचे नुकसान होण्याची शक्यता आहे. आपण आळशीपणा सोडणे आवश्यक आहे. नसता महत्त्वाची कामे रेंगाळतील. आपली आजोळची परिस्थिती या वर्षी बिकट असेल. आपणास समुद्र, नदी किंवा खोल पाण्यापासून दूर राहीले पाहीजे.

#### वर्षफलातील गुरू चे उपाय

गुरूच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या घराच्या जवळच्या धार्मिक स्थळाची साफ सफाई करावी.
- 2— साधु संतांची सेवा करावी.
- 3— खोल पाण्यापासून सावध रहावे.

### शुक्र पंचम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ शुक्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपली अनैतिक संबंधामुळे बदनामी होईल. जर आपण अविवाहित असाल तर या वर्षी विवाहाचा योग आहे. परंतु आपणास आई वडिलांच्या संमतीने विवाह केला पाहीजे. नसता संततीकडून त्रास होईल. आर्थिक दृष्ट्याही हे वर्ष साधारणच जाईल.

#### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— एखाद्या धार्मिक स्थळी सलग पाच दिवस पिठाचे दान करावे.
- 2— आपल्या आई वडीलांच्या मर्जीनुसार विवाह करावा.
- 3— गाईची सेवा करावी.

### शनि एकादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपल्या कौटुंबिक आणि मानसिक सुखात कमतरता भासेल. आपण कर्जाने त्रस्त असाल. आपणास आपली वर्तणूक शुद्ध ठेवावी लागेल आणि व्यवहार खूपच संयमाने करावा लागेल. आपण रागावर नियंत्रण ठेवले पाहीजे आणि

भांडणापासून दूर राहीले पाहीजे. मद्यपान आणि मांसाहाराचे सेवन करू नये.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— कोणतेही शुभ कार्य सुरु करण्यापूर्वी घरात पाण्याने भरलेला मातीचा माठ स्थापन करावा.
- 2— सूर्योदयाच्या वेळी मातीवर मद्य किंवा मोहरीचे तेल सांडावे.
- 3— मद्य आणि मांस याचे सेवन करू नये.
- 4— घरात शुद्ध चांदीच्या वीटा ठेवाव्यात.
- 5— इतरांना धोका देऊन धन कमवू नये.

### राहु एकादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ राहु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपले वडिलांशी वैचारिक मतभेद होण्याची शक्यता आहे व त्यांचे आरोग्य चिंताजनक असेल. आपणास वाद विवादापासून दूर राहीले पाहीजे नसता आपण जखमी होऊ शकता. या वर्षी आपणासाठी लाल व निळा कपडा वापरणे अशुभ ठरू शकते.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— नीलम किंवा निळ्या रंगाचे कोणतेही रत्न यावर्षी धारण करू नये किंवा आपल्याजवळ ठेऊ नये.
- 2— घरात वीजेची खराब उपकरणे ठेऊ नये.
- 3— डोक्यावर शेंडी ठेवावी किंवा सफेद टोपीने डोके झाकावे.

### केतु द्वादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी व्यवसायात योग्य निर्णय घेतले नाही तर कर्ज घेण्याची वेळ येऊ शकते आणि त्याकरिता इस्टेट गहाण ठेवण्याची गरज पडेल. आपणास या वर्षी भांडण तंट्यापासून दूर राहीले पाहीजे नसता आपल्या प्रगतीमध्ये अडथळा येईल. आपणास कुठ्यापासून सावध आणि सतर्क राहण्याची आवश्यकता आहे. आपणास आपल्या संततीची काळजी घ्यावी लागेल.

#### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

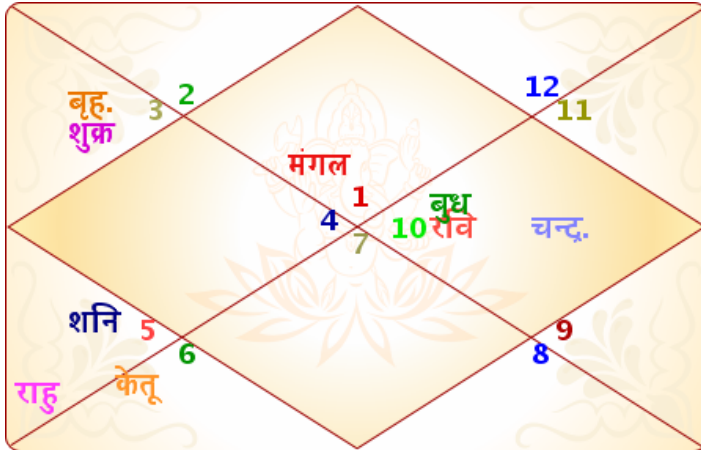
- 1— दूधात अंगठा बुडवून चोखावा.
- 2— आपली बहिण आणि भाऊजींची सेवा करावी.
- 3— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी आणि इतरांना धोका देऊ नये.



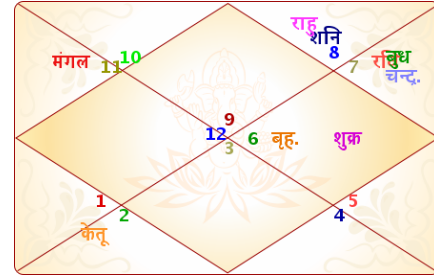
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

02:11:2018--01:11:2019

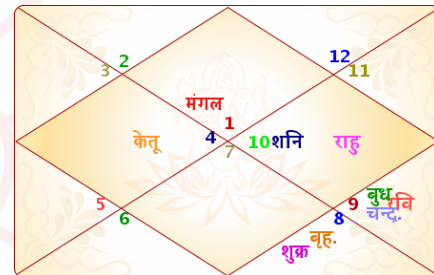
## वर्षफल कुंडलीत(६३)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावश   | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 10     | 5      | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| चंद्र | 10     | 4      | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| मंगळ  | 1      | 1, 8   | ग्रह  |          | हां         |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| बुध   | 10     | 3, 6   | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| गुरू  | 3      | 9, 12  | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| शुक्र | 3      | 2, 7   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| शनि   | 5      | 10, 11 | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| राहु  | 5      |        | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| केतु  | 6      |        | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह     | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-----------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   | मंगळ            | मंगळ   | रवि        |           | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   |                 | शुक्र  | गुरू       | हां       | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   | गुरू, शुक्र     | बुध    | मंगळ       |           | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   |                 | चंद्र  | चैप        | हां       | गुरू        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   | शनि, राहु       | रवि    | गुरू       |           |             |             | रवि            |
| 6   | केतु            | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   |                 | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   |                 | मंगळ   | मंगळ, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   |                 | गुरू   | गुरू       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  | रवि, चंद्र, बुध | शनि    | शनि        |           | मंगळ        | गुरू        | शनि            |
| 11  |                 | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरू           |
| 12  |                 | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ६३

### रवि दशम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणांस दुर्दैवाचा सामना करावा लागेल. शत्रू आपले नुकसान करतील. वडिलांशी मतभेद तसेच पितृसुखात कमतरता संभवते. यंत्रसामुग्री, तेल, लोखंड आणि लाकूड इ.च्या व्यवसायात आपणास तोटा होऊ शकतो. अकारण संताप आणि संशयीपणा बळावेल.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- सलग 43 दिवस तांब्याचे नाणे पाण्यात प्रवाहीत करावे.
- 2- मांस मच्छी आणि मद्याचे सेवन करू नये.
- 3- आपले डोके सफेद कपड्याने झाकावे.
- 4- भूरकट रंगाच्या म्हशीची सेवा करावी.

### चंद्र दशम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ चंद्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास रक्त, दात आणि कानासंबंधित विकार होतील. आपण वडिलोपार्जित संपत्ती जपली पाहीजे. आईचे आरोग्य चिंतेचा विषय बनेल. समाजातील मान सन्मान कमी होईल.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- आपल्या आईचा चरणस्पर्श करुन आशीर्वाद घ्यावा.
- 2- रात्री दूधाचे सेवन करू नये.
- 3- आपण जर डॉक्टर असाल तर मोफत औषध देऊ नये.
- 4- आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.

## मंगळ प्रथम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ मंगळ शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास लोखंड, लाकूड आणि यंत्रासंबंधी व्यवसायात लाभ होईल. समाजातील आपला मान सन्मान उंचावेल. आपला उत्साह वाढेल. या वर्षी आपण प्रत्येक कार्य जोमाने व मोठे कराल. भावंडांची आपणास मदत मिळेल. आपल्या बहिणीसाठीही हे वर्ष शुभ जाईल. खराब व्यक्तीबरोबरही आपला व्यवहार सलोख्याचा असेल.

### वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— वाईट काम आणि असत्य बोलण्यापासून दूर रहावे.
- 2— आपल्या वयाच्या व्यक्तीबरोबर भागीदारीमध्ये व्यवसाय करू नये.
- 3— मोफत काहीही भेटवस्तु घेऊ नये.
- 4— घरात हस्तीदंतापासून बनविलेल्या वस्तु आणू नयेत.
- 5— आपणास जर मोठा भाऊ असेल तर आपल्याजवळ लाल रंगाचा रुमाल ठेवावा.

## बुध दशम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ बुध शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे लाल किताब नुसार या वर्षी जर आपण एखादे नवीन कार्य सुरु करणार असाल तर त्यात अडचणी निर्माण होतील. आपणास या वर्षी अंमली पदार्थापासून दूर राहिले पाहिजे. त्यामुळे आपले आरोग्य बिघडेल. आपली बहीण, आत्या आणि मुलगी यांच्या धनाचा वापर करू नये. मुलांच्या शिक्षण किंवा नोकरी / व्यवसायात अडचणी संभवतील.

### वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या घरात तुळस, मनी प्लांट इत्यादि रुंद पानांचे रोपे लावू नयेत.
- 2— मांस, मद्य इत्यादिच्या सेवनापासून दूर रहावे.
- 3— सुकलेले नारळ मंदिरात अर्पण करावे.
- 4— उरलेले अन्न माश्यांना घालावे.
- 5— कामगारांची सेवा आणि मदत करावी.

## गुरु तृतीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ गुरु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास धार्मिक कार्यात आवडीने सहभाग घेणे गरजेचे आहे ज्यामुळे गुरुचा अशुभ प्रभाव कमी होईल. वाममार्गाने पैसे कमविण्यापासून दूर राहीले पाहिजे. पिंपळाचे झाड तोडू नये त्यामुळे आपल्या संततीवर विपरीत परिणाम होतील.

वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— दुर्गा पूजन करावे.
- 2— हळदीचा किंवा केशराचा टिळा लावावा.
- 3— पिंपळाच्या झाडाची सेवा करावी.
- 4— धार्मिक कार्यात उत्साहाने सहभागी व्हावे.

## शुक्र तृतीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ शुक्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास नृत्य संगीतात जास्त रस घेणे आपल्या हिताचे नाही. आपणास आपल्या वर्तणुकीवर विशेष लक्ष देणे गरजेचे आहे. जोडीदाराबरोबरच्या संबंधात कटूता येण्याची शक्यता आहे. संततीचे आरोग्य आपणासाठी चिंतेचा विषय ठरेल.

वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या पत्नीबरोबर मधुर संबंध ठेवावेत.
- 2— पूर्वजांच्या उंबरठा खराब करू नये.
- 3— संयमित जीवन व्यतीत करावे.
- 4— घरात खराब टी व्ही, रेडिओ दुरुस्त करून ठेवावा.

## शनि पंचम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ शनी शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपली बौद्धिक क्षमता आपणास

समाजात मान सन्मान देईल. आपण आपल्या बुध्दी चातुर्याने अवघड कामे सहजरित्या पार पाडाल. जर आपण विवाहित असाल तर आपणास पुत्रप्राप्तीचा योग आहे. परंतु आपले घर आपणासाठी चिंतेचा विषय बनेल. आपणास आरोग्याच्या बाबतीत सावध आणि सर्तक राहणे आवश्यक आहे. अध्यात्मिक कार्यासाठी आपणास हे वर्ष उत्तम जाईल. धार्मिक कार्यातही आपली रुचि वाढेल.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— एखाद्या धार्मिक स्थळी दहा बदाम अर्पण करावेत आणि त्यातील अर्धे घरी परत आणावेत.
- 2— काळा सूरमा गवताच्या छप्परात गाडावा.
- 3— आपल्याजवळ सोने आणि केशर ठेवावे.
- 4— सापास दूध पाजावे.
- 5— यावर्षी मांस, मद्य, मासे यांचे सेवन करू नये.

### राहु पंचम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ राहु शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपली आर्थिक स्थिती चांगली असेल. सट्टा किंवा लॉटरी पासून आपणास धनप्राप्ती होईल. आपण जर विवाहित असाल तर या वर्षी आपणास संततीप्राप्ती होईल. या वर्षी आपला उत्साह द्विगुणित होईल परंतु आपली वागणूक चांगली ठेवली पाहिजे. धार्मिक बाबतीतही आपली रुची वाढेल.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— घरात चांदीचा हत्ती ज्याचे वजन कमीत कमी 60 ग्रॅम आहे तो ठेवावा.
- 2— दोन विवाह करू नयेत.
- 3— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 4— घराच्या उंबरठ्याखाली चांदीची पाने ठेवावीत.

### केतु षष्ठी भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार हे वर्ष आपणास आर्थिक

दृष्ट्या सर्वसाधारण जाईल. सोन्याचे दागिने जपून ठेवले पाहीजेत. नसता चोरी होण्याची शक्यता आहे. अकारण प्रवासाची शक्यता आहे. संततीकडून त्रास होण्याची शक्यता आहे. त्वचारोग होण्याची संभवतो.

### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

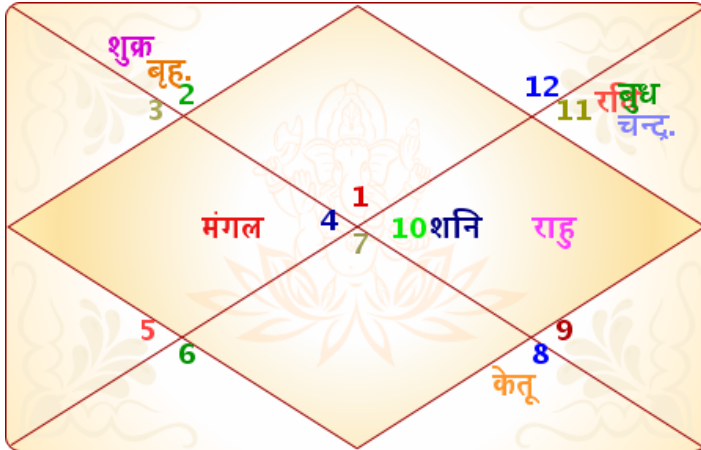
- 1— सासरकडून मिळालेली अंगठी डाव्या हातात घालावी.
- 2— केशर किंवा हळदीचा टिळा लावावा.
- 3— यावर्षी आपली बहिण, आत्या, मुलीबरोबर भांडण करू नये.



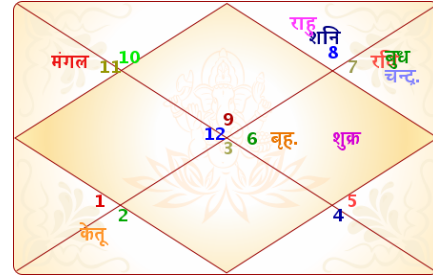
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

02:11:2019--01:11:2020

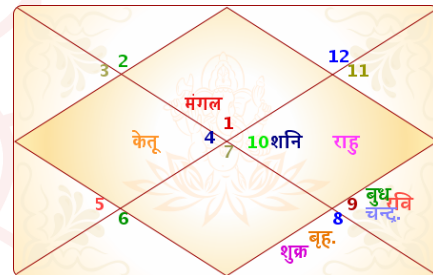
## वर्षफल कुंडलीत(६४)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा० का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 11     | 5      | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| चंद्र | 11     | 4      | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| मंगळ  | 4      | 1, 8   | ग्रह  |          |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| बुध   | 11     | 3, 6   | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| गुरू  | 2      | 9, 12  | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| शुक्र | 2      | 2, 7   | ग्रह  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| शनि   | 10     | 10, 11 | ग्रह  | हां      | हां         |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| राहु  | 10     |        | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| केतु  | 8      |        | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | ---        |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह     | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-----------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   |                 | मंगळ   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   | गुरू, शुक्र     | शुक्र  | गुरू       |           | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   |                 | बुध    | मंगळ       | हां       | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   | मंगळ            | चंद्र  | चैप        |           | गुरू        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   |                 | रवि    | गुरू       | हां       |             |             | रवि            |
| 6   |                 | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   |                 | शुक्र  | शुक्र, बुध | हां       | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   | केतु            | मंगळ   | मंगळ, शनि  |           |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   |                 | गुरू   | गुरू       | हां       | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  | शनि, राहु       | शनि    | शनि        |           | मंगळ        | गुरू        | शनि            |
| 11  | रवि, चंद्र, बुध | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरू           |
| 12  |                 | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ६४

### रवि एकादश भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह शुभ स्थिती आहे

वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ रवी शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपण धार्मिक कार्यात हिरिरीने सहभागी व्हाल. संपर्कातील लोकांना आपण योग्य सल्ला द्याल. संगीत आणि नृत्यामध्ये आपणास विशेष रुची असेल. राजकारणात सक्रिय असाल तसेच अर्थिक प्राप्तीचे नवे स्रोत गवसतील. वरिष्ठांशी आपले संबंध चांगले राहतील. संततीकडूनही आपणास शुभ वार्ता कळतील.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाळी उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— सलग 43 दिवस वाळूवर बिछाना टाकून झोपावे.
- 2— मांस मच्छीचे सेवन करू नये.
- 3— रात्री झोपताना आपल्या उशीखाली मूळा ठेऊन झोपावे.
- 4— असत्य बोलू नये.

### चंद्र एकादश भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ चंद्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी स्त्री पासून लाभ होतील. आपण करमणुकीच्या व आरामदायी उपकरणांचा व्यवसाय करू शकता. अध्यात्माकडे आपली विशेष रुची असेल. समाजात आपली पत उंचावेल. कन्या संततीकडून आपणास शुभ वार्ता कळतील.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्राच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाळी उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— दिवसा कोणत्याही प्रकारचे दान करू नये.
- 2— शुक्रवारी कोणाच्या विवाह समारंभाला जाऊ नये.
- 3— 121 पेढे पाण्यात प्रवाहीत करावेत.
- 4— दूधाचे सेवन करावे.

## मंगळ चतुर्थ भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चतुर्थस्थ मंगळ शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपण निराश व्हाल. आपणास रागावर नियंत्रण करणे आवश्यक आहे. भावंडाबरोबर आपले मतभेद होऊ शकतात. आपणास जिभेसंबंधी विकार होऊ शकतात. या वर्षी वाहन चालविताना विशेष सर्तक राहणे गरजेचे आहे. कुटुंबातील एखाद्या स्त्रीची शस्त्रवि या होण्याची शक्यता आहे. आपणास आपले वर्तन सत्त्विक ठेवले पाहिजे.

वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपण साखर आणि मधाच्या व्यवसायापासून दूर रहावे.
- 2— आपल्याजवळ चांदीचा एक चौकोनी तुकडा ठेवावा.
- 3— साखरेची रिकामी पोते आपल्या छतावर ठेवावीत.
- 4— दक्षिणमुखी घरात निवास करू नये.
- 5— सकाळी उठल्याबरोबर आपले दात स्वच्छ पाण्याने धुवावेत.
- 6— आपल्या आईची सेवा करावी.

## बुध एकादश भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ बुध शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास स्पर्धा—परिक्षामधून यश मिळेल. प्रत्येक बुधवारी दुपारी 3 ते 5 ही वेळ अत्यंत शुभ जाईल. आपण आपल्या विवेक—बुद्धी आणि चातुर्याच्या जोरावर धन कमवाल. प्रतिष्ठा वाढेल. कुणी श्रीमंत आपलेष्ट आपली मदत करेल. मुलांच्या संपत्ती तसेच मान—सन्मानात वृद्धी होईल. या वर्षी आपणास वडिलोपार्जित संपत्ती मिळण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— गळ्यात तांब्याचे नाणे सफेद किंवा खाकी धाग्यात बांधून घालावे.
- 2— आपल्या घरात रुंद पाने असलेली रोपे लावू नयेत.
- 3— आपले घर भाड्याने देऊ नये.
- 4— पोपट पाळावा.
- 5— कोणत्याही साधु, फकिराकडून ताविज इत्यादि घेऊ नये.

## गुरु द्वितीय भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ गुरु शुभ आहे लाल किताब नुसार आपणास अचानक धनलाभ होईल. आपणास भविष्यातील घटनांचा सुगावा लागेल. परोपकाराची भावना प्रबळ होईल. आपली सर्व कायें यशस्वीरित्या पार पडतील त्यामुळे आपणास काळजी करण्याची गरज नाही. आपल्या जोडीदाराकडूनही विशेष सौजन्य आणि मदत मिळेल.

### वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— घराच्या समोरील खड्डे मातीने भरावेत.
- 2— सोन्या चांदीच्या संबंधी व्यवसाय करू नये.
- 3— हळदीचा किंवा केशराचा टिळा लावावा.
- 4— आपल्या घराचा एक भाग न बनवता अर्धवट तसाच ठेवावा.
- 5— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 6— नवीन लग्न झालेल्या मुलीस मिठाई द्यावी.

## शुक्र द्वितीय भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ शुक्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपण अपार कष्टाने यश प्राप्त कराल. प्रेम संबंधातील धोक्यामुळे आपण संपूर्ण वर्षभर अशा संबंधापासून दूरच रहाल. जर आपण विवाहित असाल तर जोडीदाराचे सहकार्य लाभेल. आपली धार्मिक वृत्ती वृद्धीगत होईल. जर आपण अविवाहित असाल तर आपला विवाह जमण्याची शक्यता आहे.

### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— बटाटे आणि दह्याचे दान करावे.
- 2— जनावरांचा तिरस्कार करू नये.
- 3— कपिला गाईची सेवा करावी.

## शनि दशम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार सरकारी कर्मचारी वर्गाकडून वर्षभर आपणास भय राहील. या वर्षी आपणास मासे आणि मद्यपानापासून दूर राहीले पाहीजे. नसता आपणास नोकरी आणि व्यापारात अनेक समस्या येतील. आपण या वर्षी धावपळीचे काम अजिबात करू नये. आपणास रागही अधिक येईल. कौटुंबिक बाबतीत बाहेरच्या व्यक्तींना हस्तक्षेप करू देऊ नये. धन संपत्तीच्या बाबतीतही चिंता राहील.

### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मद्य आणि मासे यांचे सेवन करू नये.
- 2— कोणत्याही प्रकारचे हत्यार आपल्याजवळ ठेऊ नये.
- 3— धावपळीचे काम करू नये.

## राहु दशम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ राहु शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपल्या मान सन्मानात वृद्धी होईल. राजकारणाच्या क्षेत्रात आपणास यश मिळेल. जर आपण सरकारी नोकर असाल तर आपली पदोन्नती होऊ शकते.

### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपले डोके झाकावे.
- 2— आपल्या वरिष्ठांबरोबर संबंध मधुर ठेवावे.
- 3— सफेद किंवा सरबती रंगाची टोपी किंवा पगडी घालावी.
- 4— अंध व्यक्तींना गोड भोजन करण्यास द्यावे.
- 5— 4 किलो गुळ मंगळवारी पाण्यात प्रवाहीत करावा.

## केतु अष्टम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत अष्टमस्थ केतू शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपण स्वकष्टाने धन कमवाल.

आपली वागणूक चांगली ठेवली पाहीजे नसता आपणास नुकसान सोसावे लागेल. या वर्षी आपली पदोन्नती होण्याची शक्यता आहे.

### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

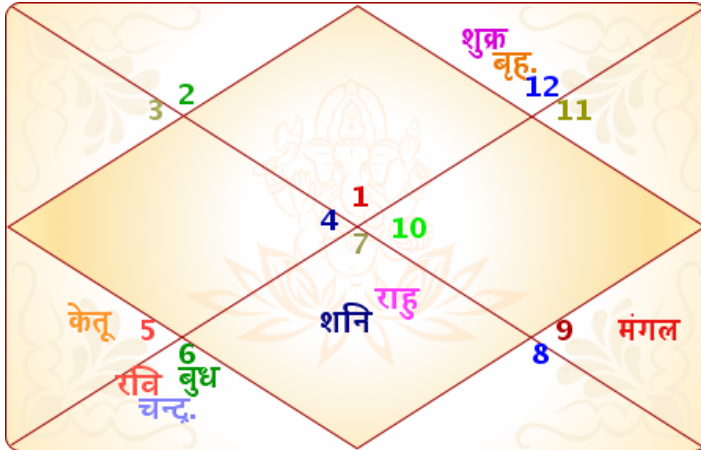
- 1— आपल्या कुत्र्यास छतावर घेऊन जाऊ नये.
- 2— जुगार, लॉटरी वर आपला पैसा व्यर्थ करू नये.
- 3— पट्ट्यापट्ट्याचे कांबळे धर्मस्थली दान करावे.



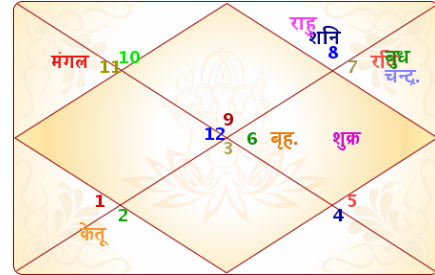
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

02:11:2020--01:11:2021

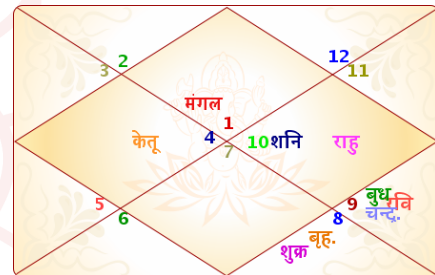
## वर्षफल कुंडलीत(६९)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 6      | 5      | राशी  |          |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| चंद्र | 6      | 4      | राशी  |          |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| मंगळ  | 9      | 1, 8   | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| बुध   | 6      | 3, 6   | ग्रह  |          |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| गुरू  | 12     | 9, 12  | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| शुक्र | 12     | 2, 7   | ग्रह  |          |             | राहु      |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| शनि   | 7      | 10, 11 | ग्रह  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| राहु  | 7      |        | ग्रह  |          |             | शुक्र     |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| केतु  | 5      |        | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह     | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-----------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   |                 | मंगळ   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   |                 | शुक्र  | गुरू       | हां       | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   |                 | बुध    | मंगळ       | हां       | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   |                 | चंद्र  | चैप        | हां       | गुरू        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   | केतु            | रवि    | गुरू       |           |             |             | रवि            |
| 6   | रवि, चंद्र, बुध | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   | शनि, राहु       | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   |                 | मंगळ   | मंगळ, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   | मंगळ            | गुरू   | गुरू       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  |                 | शनि    | शनि        | हां       | मंगळ        | गुरू        | शनि            |
| 11  |                 | शनि    | शनि        | हां       |             |             | गुरू           |
| 12  | गुरू, शुक्र     | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ६५

### रवि षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ रवी शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपण राजकारणात सत्रि य असाल. नवी पदप्राप्ती संभवते. आपले वरिष्ठांबरोबर संबंध सुधारतील. आपले आरोग्य उत्तम राहील व मानसिक समाधानही मिळेल. कोर्ट कचेरीच्या विवादात आपले शत्रूंचा पराभव होईल. आपण जर जमीनीच्या खरेदी विव्रीसंबंधीचा व्यवसाय करीत असाल तर आपणास त्यात भरघोस यश मिळेल. परदेशस्थ लोकांकडून आपणास फायदे संभवतात.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- आपल्या घरात चांदीच्या भांड्यात गंगाजळ ठेवावे.
- 2- आपल्या आईची सेवा करावी.
- 3- एखाद्या धार्मिक स्थळी केलेल्या दानातील वस्तु आपल्या घरी घेऊन यावी.

### चंद्र षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ चंद्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपणास या वर्षी परदेशी संबंधातून लाभ होतील. शत्रूंचा पराभव होईल. भावंडं आणि मित्रमंडळी आपली मदत करतील.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्राच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- आपल्या वडीलांना आपल्या हाताने दूध पाजावे.
- 2- आपली गुपिते इतरांना सांगू नयेत.
- 3- सशे पाळावेत.
- 4- रात्री दूधाचे सेवन करू नये.
- 5- मोफत पाण्याचे दान करू नये.

### मंगळ नवम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत नवमस्थ मंगळ शुभ आहे. लाल किताब नुसार हे वर्ष आर्थिक दृष्ट्या संपन्न जाईल. नूतन कार्य तसेच हॉटेल इत्यादी व्यवसायच्या शुभारंभास उत्तम आहे. वडिलधा-यांच्या तिर्थयात्रेचा योग संभवतो. आरोग्याच्या दृष्टीनेही हे वर्ष उत्तम जाईल. मान सन्मानात वृद्धी होईल.

#### वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्याजवळ लाल रंगाचा रुमाल नेहमी ठेवावा.
- 2— धार्मिक स्थळी तांदूळ, दूध आणि गुळाचे दान करावे.
- 3— आपल्या भावजयीची सेवा करावी.
- 4— आपल्या भावांबरोबर भांडण करू नये.
- 5— .पट्ट्यापट्ट्याच्या कुत्र्याची सेवा करावी.

### बुध षष्ठी भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ बुध शुभ आहे. लाल किताब नुसार यावर्षी शत्रूही मित्र बनून आपली सहायता करतील. आपण आपल्या बुद्धीचातुर्याने समाजात प्रसिद्धी मिळवाल. धार्मिक कार्यात आपण तन मन धनाने कार्यरत व्हाल. या वर्षी शेतीविषयक किंवा शैक्षणिक साहित्याच्या व्यवसायातून आपण अधिक पैसा मिळवाल. आपली मानसिक व कौटुंबिक स्थिती या वर्षी उत्कृष्ट असेल. आपण बोललेले सत्य होईल. आजोळकडून धनलाभ संभवतो.

#### वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— डाव्या हातात चांदीची अंगठी घालावी.
- 2— निर्जन स्थळी दूधाने भरलेले भांडे गाडावे.
- 3— कोणतेही शुभ कार्य आपल्या मुलीच्या किंवा बहिणीच्या हातून करावे.
- 4— आपल्या बहिणीचा किंवा मुलीचा विवाह उत्तर दिशेस करू नये.
- 5— आपल्या नोकरावर नजर ठेवावी.

### गुरु द्वादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ गुरु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार धर्म कर्माच्या कार्यात

आपण जराही लक्ष घालणार नाही व त्यामुळे आपला मानसिक तणाव वाढेल. या वर्षी आपले वडिल आणि आजोबांशी मतभेद होतील. अंदाज चुकल्यामुळे आर्थिक नुकसान सोसावे लागेल. अनाढायी खर्च टाळावेत.

#### वर्षफलातील गुरू चे उपाय

गुरूच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— पिंपळाच्या वृक्षाची सेवा करावी.
- 2— केशराचा टिळा लावावा.
- 3— इतरांना धोका देऊ नये.
- 4— गळ्यात माळ इत्यादि घालू नये.
- 5— आपले नाक स्वच्छ ठेवावे.
- 6— साधु संतांची आणि वयस्कर व्यक्तींची सेवा करावी.

### शुक्र द्वादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ शुक्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपण वर्तणूक चांगली ठेवली पाहीजे, परस्त्रीगमनापासून तर दूरच राहीले पाहीजे नसता त्याचा आपल्या जोडीदाराच्या आरोग्यावर विपरीत परिणाम होईल. त्यामुळे वैवाहिक जीवनात कटूता येण्याची शक्यता आहे. आपले मित्र किंवा नातेवाईक आपल्या विरुद्ध चुकीच्या अफवा पसरवतील. या वर्षी आपणास धार्मिक कार्यातही आवड राहणार नाही.

#### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— निळ्या रंगाचे फूल आपल्या पत्नीच्या हातून जमीनीत गाडावे.
- 2— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 3— आपल्या पत्नीची देखभाल करावी.
- 4— तूपाचे दिवे लावावेत.
- 5— वासरासहित गाईचे दान करावे.

### शनि सप्तम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी जोडीदाराची

अस्वस्थता आणि वैचारिक मतभेदामुळे आपले वैवाहिक जीवन अशांत बनेल. आपण आपल्या भागीदारावर संशय घेऊ नये. तसे केले तर आपले त्यांच्याबरोबरचे संबंध बिघडू शकतात. चिकित्सा व रसायन संबंधी व्यवसायात नुकसान होण्याची शक्यता आहे. क्रोधाची भावनाही या वर्षी जास्त असेल. सावधगिरी म्हणून आपण कोणतेही हत्यार जवळ बाळगू नये. कुसंगती टाळा. नसता आपणास ते जड जाईल.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मातीच्या भांड्यात मध ठेऊन निर्जन स्थळी गाडावे.
- 2— वाईट लोकांची संगत करू नये.
- 3— डॉक्टर आणि केमिस्ट यांच्या संगतीपासून दूर रहावे.
- 4— काळ्या गार्डची सेवा करावी.

#### राहु सप्तम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ राहु शुभ आहे लाल किताब नुसार या वर्षी आपली नोकरी/व्यवसायात उन्नती होईल. जर आपण जन्मस्थानापासून दूर जाऊन एखादा व्यवसाय करणार असाल तर त्यात आपणास लाभ होणार नाही. अंदाजे पैसे गुंतवू नये. जर आपण विवाहित असाल तर आपणास पुत्रप्राप्ती होईल. आर्थिक बाबतीत हे वर्ष साधारणच असेल. भागीदारीतील व्यवसायापासून आपणास लाभ होईल.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— सात नारळ वाहत्या पाण्यात प्रवाहीत करावेत.
- 2— चांदीची वीट आपल्या घरात ठेवावी.
- 3— वाहन चालकाच्या रुपात कोणतेही कार्य करू नये.
- 4— प्लास्टिकच्या डब्वीत गंगाजल भरून त्यात चांदीच्या चौकोनी तुकडे टाकून आपल्याजवळ ठेवावा.

#### केतु पंचम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

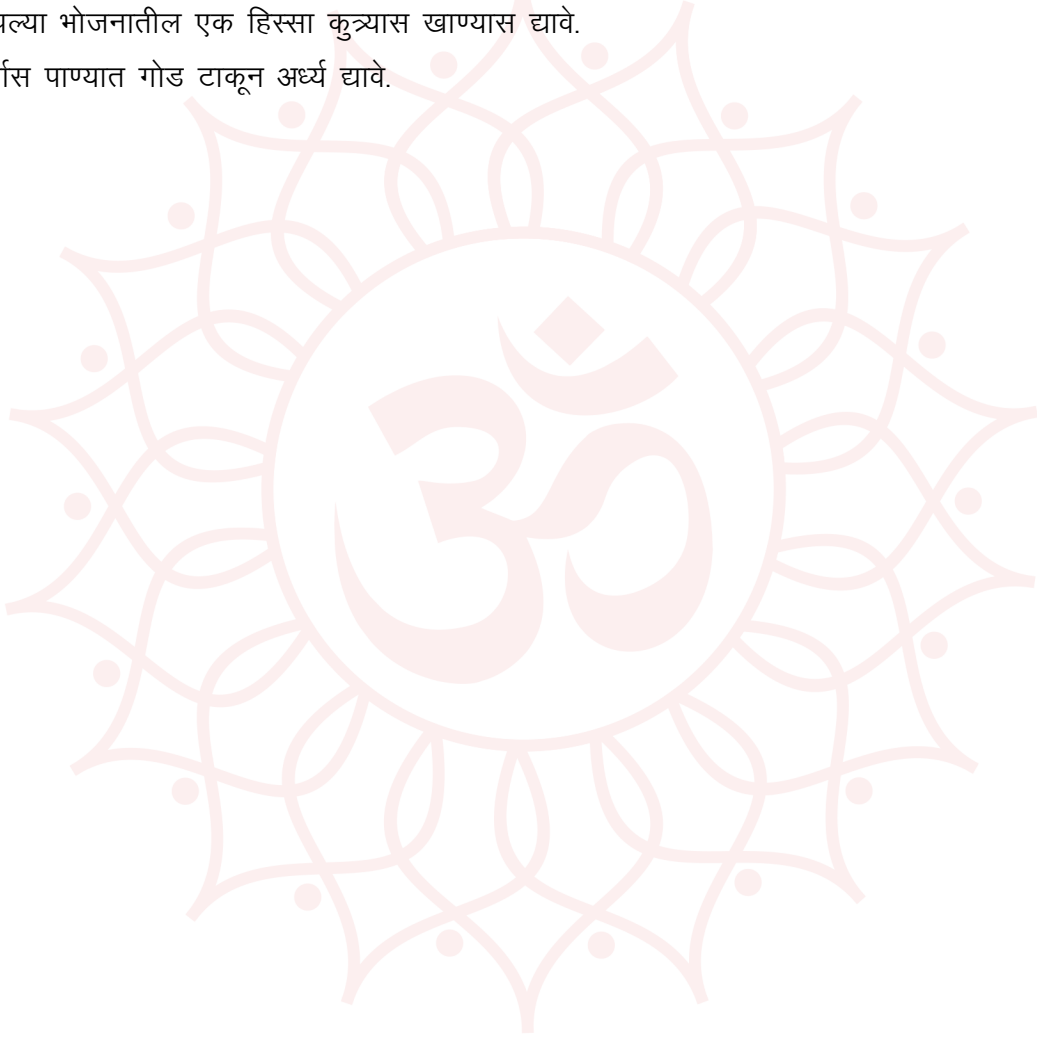
आपल्या वर्षफल कुंडलीत पंचमस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास वाईट लोकांच्या संगतीपासून जपले पाहिजे, त्याचा आपणावर वाईट परिणाम होईल. या वर्षी आपणास

श्वसनासंबंधी विकार होण्याची शक्यता आहे. आपले वडिल आणि गुरुजनांबरोबर वाद होऊ शकतात. अकारण प्रवासाची शक्यता आहे.

### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— वाईट लोकांची संगत करु नये.
- 2— आपल्या घरातील पेट्या किंवा कपाटांना नेहमी कुलूप लावून ठेवावे. वेळोवेळी कुलूप उघडावे.
- 3— तांदूळ, दूध किंवा लाल मसूराची डाळ दान करावी.
- 4— आपल्या भोजनातील एक हिस्सा कुत्र्यास खाण्यास द्यावे.
- 5— सूर्यास पाण्यात गोड टाकून अर्घ्य द्यावे.



## गोचर शनि

द्वादशे जन्मगौ राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सधानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत् ।।

( गोचरीने जेव्हा शनि ग्रह जन्म चंद्रापासून बाराव्या, पहिल्या आणि दूसऱ्या भावावरून भ्रमण करतो, त्या (सुमारे साडे सात वर्षांपर्यंतच्या) कालावधीलाच साडेसाती या नावाने ओळखले जाते.)

### प्रथम चक्र

| साडेसाती चक्र | राशीमध्ये गोचर | आरंभ काळ   | समाप्ति काळ | भ्रमण काळ (व-म-दि ) | शनि मूर्ती |
|---------------|----------------|------------|-------------|---------------------|------------|
| तृतीय अडिचकी  | वृश्चिक        | 02/06/1958 | 07/11/1958  | 0.0 y.5.0 m.6 d.    | सुवर्ण     |
| कंटक शनि      | मकर            | 02/02/1961 | 17/09/1961  | 0.0 y.7.0 m.14 d.   | सुवर्ण     |
| कंटक शनि      | मकर            | 08/10/1961 | 27/01/1964  | 2.0 y.3.0 m.20 d.   | सुवर्ण     |
| आठवा शनि      | वृषभ           | 28/04/1971 | 10/06/1973  | 2.0 y.1.0 m.13 d.   | सुवर्ण     |

### द्वितीय चक्र

| साडेसाती चक्र  | राशीमध्ये गोचर | आरंभ काळ   | समाप्ति काळ | भ्रमण काळ (व-म-दि ) | शनि मूर्ती |
|----------------|----------------|------------|-------------|---------------------|------------|
| प्रथम अडिचकी   | कन्या          | 04/11/1979 | 15/03/1980  | 0.0 y.4.0 m.10 d.   | सुवर्ण     |
| प्रथम अडिचकी   | कन्या          | 27/07/1980 | 06/10/1982  | 2.0 y.2.0 m.10 d.   | चांदी      |
| द्वितीय अडिचकी | तुला           | 06/10/1982 | 21/12/1984  | 2.0 y.2.0 m.15 d.   | तांबे      |
| द्वितीय अडिचकी | तुला           | 01/06/1985 | 17/09/1985  | 0.0 y.3.0 m.17 d.   | सुवर्ण     |
| तृतीय अडिचकी   | वृश्चिक        | 21/12/1984 | 01/06/1985  | 0.0 y.5.0 m.10 d.   | सुवर्ण     |
| तृतीय अडिचकी   | वृश्चिक        | 17/09/1985 | 17/12/1987  | 2.0 y.3.0 m.0 d.    | चांदी      |
| कंटक शनि       | मकर            | 21/03/1990 | 20/06/1990  | 0.0 y.3.0 m.0 d.    | चांदी      |
| कंटक शनि       | मकर            | 15/12/1990 | 05/03/1993  | 2.0 y.2.0 m.19 d.   | तांबे      |
| कंटक शनि       | मकर            | 15/10/1993 | 10/11/1993  | 0.0 y.0.0 m.26 d.   | चांदी      |
| आठवा शनि       | वृषभ           | 07/06/2000 | 23/07/2002  | 2.0 y.1.0 m.15 d.   | सुवर्ण     |
| आठवा शनि       | वृषभ           | 08/01/2003 | 07/04/2003  | 0.0 y.2.0 m.28 d.   | लोह        |

### तृतीय चक्र

| साडेसाती चक्र  | राशीमध्ये गोचर | आरंभ काळ   | समाप्ति काळ | भ्रमण काळ (व-म-दि ) | शनि मूर्ती |
|----------------|----------------|------------|-------------|---------------------|------------|
| प्रथम अडिचकी   | कन्या          | 10/09/2009 | 15/11/2011  | 2.0 y.2.0 m.6 d.    | सुवर्ण     |
| प्रथम अडिचकी   | कन्या          | 16/05/2012 | 04/08/2012  | 0.0 y.2.0 m.19 d.   | तांबे      |
| द्वितीय अडिचकी | तुला           | 15/11/2011 | 16/05/2012  | 0.0 y.6.0 m.1 d.    | चांदी      |
| द्वितीय अडिचकी | तुला           | 04/08/2012 | 02/11/2014  | 2.0 y.2.0 m.29 d.   | चांदी      |
| तृतीय अडिचकी   | वृश्चिक        | 02/11/2014 | 26/01/2017  | 2.0 y.2.0 m.24 d.   | तांबे      |
| तृतीय अडिचकी   | वृश्चिक        | 21/06/2017 | 26/10/2017  | 0.0 y.4.0 m.6 d.    | लोह        |
| कंटक शनि       | मकर            | 24/01/2020 | 29/04/2022  | 2.0 y.3.0 m.4 d.    | सुवर्ण     |
| कंटक शनि       | मकर            | 12/07/2022 | 17/01/2023  | 0.0 y.6.0 m.7 d.    | चांदी      |
| आठवा शनि       | वृषभ           | 08/08/2029 | 05/10/2029  | 0.0 y.1.0 m.28 d.   | लोह        |
| आठवा शनि       | वृषभ           | 17/04/2030 | 31/05/2032  | 2.0 y.1.0 m.14 d.   | चांदी      |

## How to Preform Remedies in Lal Kitab

1. Please perform only one remedy per day.
2. All remedies should be performed during the day i.e. after sunrise and before sunset. Remedies performed during the night might lead to unfavorable results. Only the recommended remedies should be performed after sunset.
3. It is advisable to first complete remedies that are minor and can be performed within a day.
4. Remedies that span over a long duration should be performed continuously, without any interruptions.
5. Women should not perform remedies that involve going to a temple during their menstrual cycle. Instead, they can ask a blood relative, like brother, sister, father, mother, grandfather, grandmother, son or daughter to perform those remedies on their behalf.
6. Remedies can be started on any day of the week. There is no need to consider a particular day like Monday, Tuesday, full moon or a new moon night to start performing remedies. Remedies that will last longer should not be started on the fourth, ninth or fourteenth day after full moon. However, remedies that last only a day can be performed on these days.
7. Every remedy is to be performed continuously for either 43 days or 43 weeks or 43 months. If the continuity gets broken, then even if it is the 39th day or 39th week or 39th month, the results might not be favorable or it may not be as effective as expected. However, if for some reason the remedy cannot be performed continuously then, on the day you want to stop it, you should wash some rice grains in milk and tie them in a white cloth. Then on the day you want to resume the remedy again, you should donate the rice at a religious place or throw them in flowing water or bury them in an orchard. Doing so will result in the remedy being considered as complete and you will see favorable results from it.
8. If you have been asked to perform a remedy for the remainder of your life then you should perform it first. You can then consider performing other remedies along with this one.
9. If a remedy requires you to bury something in the ground using a tool then you should leave the tool at the burial place. If the remedy spans several days then you should leave the tool at the burial place on the last day of performing the remedy.
10. You should not consume an article on the day when you are to donate it at a religious place or to throw it in flowing water.
11. Do not indulge in any sort of physical intimacy on the day you have to perform a remedy.